MUMBAI TARANG TM

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

किसी भी व्यक्ति की सहनशीलता एक खिंचे हुए धागे की तरह होती है, एक सीमा से अधिक खिंचे जाने पर उसका टूटना तय है।

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

जय श्री राम
Yogi 8156045100 8401376537
Bimal Patel 8401886537
YOGI PROPERTY DEALER
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल | उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-43 ❖ मुंबई ❖ रविवार 17 से 23 अक्टूबर 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3
बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा- वरवर राव को 28 अकटूबर तक आत्मसमर्पण करने की जरुरत नहीं

पेज 5
सूरत-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोले- बापू ने रामराज्य के आदर्शों पर चलने वाले समाज की कल्पना की थी

पेज 7
मनी लॉन्ड्रिंग-ईडी के सामने पेश नहीं हुई जैकलिन फर्नांडीस, 200 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में होनी थी पूछताछ

पेज 8
कोरोना के बुरे दौर में विधायकों की लॉटरी, विकास निधि में एक करोड़ रुपये की बढ़ोतरी

छात्रों को गर्व हो, ऐसा स्कूल बनाएं: पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे

मुंबई, मनपा स्कूलों की इमारत को आधुनिक और स्टाइलिश बनाएं। यह निर्देश पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे ने मनपा शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दिया। उन्होंने कहा कि स्कूल की इमारत इस तरह होनी चाहिए कि यहां पढ़ने वाले बच्चे उस पर गर्व महसूस करें और शान से कहें कि यह मेरा स्कूल है। बच्चों में इससे शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ेगी और उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा। गुरुवार को परेल स्थित परमानंदवाड़ी पब्लिक स्कूल की इमारत के उद्घाटन के दौरान आदित्य ठाकरे ने उपरोक्त बातें कहीं। इस दौरान आदित्य ठाकरे के साथ महापौर किशोरी पेडणेकर, सांसद अरविंद सावंत, स्थानीय विधायक अजय चौधरी भी मौजूद थे। होंगे आईबी-कैंब्रिज बोर्ड के स्कूल आदित्य ठाकरे ने कहा कि मनपा के स्कूलों में सीबीएसई, आईसीएसई बोर्ड के स्कूल शुरू हो गए हैं। आईबी और वैंâब्रिज बोर्ड के स्कूल भी जल्द शुरू किए जाएंगे। मैं यह दावा करता हूं कि मनपा के स्कूलों में बेहतर शिक्षा दी जा रही है। भविष्य में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाएगी। मुफ्त शिक्षा और २४ सामग्री उन्होंने कहा कि इन सभी स्कूलों में छात्रों को मुफ्त शिक्षा प्रदान की जाएगी। प्रत्येक वार्ड में सीबीएसई, आईसीएसई बोर्ड स्कूल शुरू किया जाएगा। इन स्कूलों में छात्रों को २४ सामग्री मुफ्त वितरित की जाएगी। इसके अलावा खेल के लिए फीफा संस्थान के साथ एक समझौता भी होगा। निरंतर प्रयासों के बाद मिली सफलता महापौर किशोरी पेडणेकर ने कहा कि पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे के निरंतर प्रयासों से हम विभिन्न वार्डों में विश्व स्तरीय शिक्षा बोर्डों के स्कूल शुरू करने में सफल हुए हैं।

परमबीर सिंह फिर 'लापता'गवाहों ने बताया 'बॉस'!...क्राइम ब्रांच में दूसरी बार रहे गैर-हाजिर

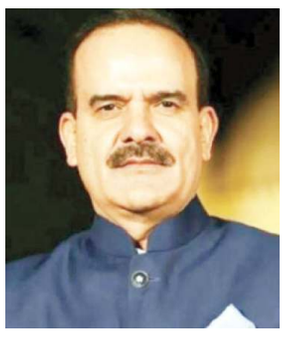

मुंबई, मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह पर लगे वसूली के आरोपों में से एक आरोप की जांच मुंबई क्राइम ब्रांच कर रही है। इस केस में क्राइम ब्रांच ने १२ गवाहों के बयान ऑन वैâमरा दर्ज किए हैं। क्राइम ब्रांच के विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार सभी ने अपने बयान में परमबीर सिंह को ही अपना बॉस बताया है। गोरेगांव के एक व्यापारी विमल अग्रवाल ने शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायत में उन्होंने परमबीर सिंह, वाझे समेत दूसरे लोगों पर आरोप लगाया था कि इन लोगों ने उससे नौ लाख रुपए वसूले थे। शिकायत में कहा गया कि ये पैसे इसलिए लिए गए थे, ताकि उनके बार और रेस्टोरेंट पर पुलिस की छापेमारी न हो। इसी मामले में क्राइम ब्रांच की यूनिट-११ ने परमबीर सिंह को मंगलवार को जरूरी दस्तावेजों के साथ बुलाया था। पर वे नहीं आए और न ही उनकी तरफ से कोई भी क्राइम ब्रांच के सामने पेश हुआ। सूत्रों की मानें तो इस बयान में साफ-साफ बताया कि एंटीलिया कांड और मनसुख हत्या मामले में गिरफ्तार सचिन वझे के लिए नंबर एक मतलब परमबीर सिंह थे, न कि महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख और परमबीर ही असली बॉस थे।

२० अक्टूबर से लौटेगी कॉलेज कैंपस की रौनक!

मुंबई, राज्य में २० अक्टूबर से कॉलेज ऑफलाइन शुरू हो जाएंगे और कॉलेज वैंâपस में फिर रौनक लौटेगी। दो डोज ले चुके विद्यार्थियों को कॉलेज में प्रवेश दिया जाएगा। हालांकि १८ वर्ष से कम आयु के विद्यार्थियों के टीकाकरण अनिवार्य नहीं है। संबंधित विभागों को स्थानीय स्तर पर विशेष टीकाकरण अभियान चलाकर विद्यार्थियों का टीकाकरण करने का निर्देश दिया गया है।

राज्य के सभी गैर-कृषि विश्वविद्यालयों, प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों, स्व-वित्तपोषित विश्वविद्यालयों और उनसे संबद्ध कॉलेजों में नियमित कक्षाएं २० अक्टूबर, २०२१ से ५० प्रतिशत क्षमता के साथ शुरू करने की मंजूरी दी जा रही है। यह घोषणा कल उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री उदय सामंत ने कल मंत्रालय में की।

टीकाकरण के लिए चलाएं अभियान

सामंत ने कहा कि जिन छात्र-छात्राओं ने कोविड-१९ वैक्सीन की दोनों खुराक ले ली है, वे कॉलेज में उपस्थित हो सकते हैं। जिन विद्यार्थियों ने खुराक नहीं ली है, उनके लिए कॉलेज प्रबंधन स्थानीय जिला प्रशासन के समन्वय से टीकाकरण हेतु विशेष अभियान चलाएं। विश्वविद्यालय और कॉलेज के शिक्षकों और कर्मचारियों का भी प्राथमिकता के साथ टीकाकरण किया जाना चाहिए।

नियमों का कड़ाई से हो पालन

उन्होंने कहा कि कोरोना नियमों का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। कीटनाशक का छिड़काव, सामाजिक दूरी, मास्क, तापमान जांच आदि का विशेष ख्याल रखा जाना चाहिए। याद दिला दें कि इससे पहले राज्य सरकार ४ अक्टूबर से स्कूलों को खोलने की अनुमति दे चुकी है।

जम्मू-कश्मीर-पुंछ में एक बार फिर शुरु हुई सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़, राजमार्ग पर यातायात रोका गया

जम्मू संभाग में पुंछ जिले के मेंढर सब-डिवीजन के भाटादूड़ियां इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच एक बार फिर मुठभेड़ शुरू हो गई है। सुरक्षाबलों ने पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर रखी है ताकि आतंकियों को भागने का मौका न मिल सके। पुंछ-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरनकोट से बिंबरगली के बीच सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। गुरुवार शाम को आतंकियों ने सुरक्षाबलों परि जले में 60 घंटे के भीतर दूसरा हमला किया। जिस समय हमला हुआ उस समय सेना की 48 आरआर(राष्ट्रीय राइफल्स), 16 आरआर और एसओजी इलाके में तलाशी अभियान चला रहे थे। सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि गुरुवार शाम से पुंछ जिले के मेंढर में काउंटर टेररिस्ट ऑपरेशन जारी है। ऑपरेशन के दौरान भारी गोलीबारी हुई। जिसमें राइफलमैन विक्रम सिंह नेगी और राइफलमैन योगंबर सिंह शहीद हो गए। राइफलमैन विक्रम सिंह नेगी व राइफलमैन योगंबर सिंह ने अनुकरणीय साहस देते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। राष्ट्र उनके सर्वोच्च बलिदान के लिए हमेशा ऋणी रहेगा। राइफलमैन विक्रम सिंह नेगी जिला टिहरी गढ़वाल उत्तराखंड और रायफलमैन योगंबर सिंह जिला चमोली उत्तराखंड के रहने वाले थे।

इससे पहले सोमवार सुबह पुंछ जिले की सुरनकोट तहसील के चमरेड़ जंगल में आतंकियों की ओर से घात लगा कर किए गए हमले में सेना की 16 आरआर का एक जेसीओ और चार जवान शहीद हो गए थे। उसके बाद पिछले 60 घंटे से सुरक्षाबल चमरेड़ से लेकर देहरागली में आतंकियों के खिलाफ सर्च अभियान चला रहे हैं।

केंद्र कितना भी करे परेशान... पांच साल तक चलेगी सरकार!

मुंबई, केंद्र सरकार, सत्ता का दुरुपयोग केवल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के साथ कर रही है, ऐसा नहीं है बल्कि अन्य दलों को भी इसका झटका लगा है। केंद्र की सत्ताधारी भाजपा सरकार लगातार दो वर्ष से महाराष्ट्र की महाविकास आघाड़ी सरकार को गिराने का प्रयास कर रही है इसलिए वरिष्ठ नेताओं के करीबी लोगों को टारगेट किया जा रहा है। केंद्र सरकार कितना भी परेशान कर ले, परंतु महाविकास आघाड़ी की सरकार पांच साल तक चलेगी। कल मुंबई में आयोजित पत्रकार परिषद में ऐसा एलान करते हुए राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने स्पष्ट किया कि सत्ता का दुरुपयोग कभी नहीं करना, यह संस्कार हमें यशवंतराव चव्हाण से मिला है। शरद पवार ने आगे कहा कि जलियांवाला बाग शब्द का उपयोग मैंने दिल्ली में लखीमपुर खीरी की घटना को लेकर किया था। इसके बाद दो-तीन भाजपा मंत्रियों का मुझे फोन आया। यह शब्द अच्छा उपयोग नहीं किया।

उसके बाद मेहमान घर पर आ गए यानी आयकर विभाग का छापा पड़ गया। उन्होंने आगे कहा कि विपक्ष को निशाना बनाने के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और एनसीबी समेत केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। केंद्र सरकार पर जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि केंद्र सरकार सत्ता का इस्तेमाल सिर्फ राष्ट्रवादी के विरोध में नहीं, बल्कि महाविकास आघाड़ी दल में शामिल तीनों दलों के खिलाफ कर रही है। तीनों दलों के वरिष्ठ नेताओं के नजदीकी लोगों को अपना टारगेट बनाकर सोची-समझी साजिश के तहत कार्रवाई कर रही है। कुल मिलाकर, पिछले दो वर्षों से राज्य की महाविकास आघाड़ी सरकार को अस्थिर करने का प्रयत्न है। राज्य की सरकार पर सीधे हमला करने की बजाए केंद्र की सरकार महाराष्ट्र के शासन में बैठे हुए लोगों के नजदीकी लोगों पर कार्रवाई कर डरा रही है। पवार ने पत्रकारों को बताया कि अशोक चव्हाण, अजीत पवार, सुभाष देसाई, नवाब मलिक आदि नेताओं पर सीधे हमला करने की बजाय उनके सहयोगी एवं रिश्तेदारों पर कार्रवाई की जा रही है।

हिंदुओं को बल संपन्न और संगठित होने की जरुरत, यही सभी समस्याओं का समाधान

विजयादशमी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 96वें स्थापना दिवस पर संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि देश में अराजकता का माहौल बनाया जा रहा है, कुछ कट्टरपंथी लोग देश को बांटने का काम कर रहे हैं। इसलिए हिंदुओं को बल संपन्न और संगठित होने की जरूरत है और यही सभी समस्याओं का हल भी है। उन्होंने कहा कि देश में जनसंख्या असंतुलन बड़ी समस्या बन रहा है। सीमावर्ती राज्यों में घुसपैठ से आबादी बढ़ रही है। इसके अलावा उन्होंने नाम लिए बिना ड्रग्स और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर सरकार को भी नसीहत दे डाली।नागुपर में हुए इस कार्यक्रम में इजरायल के राजनयिक कोब्बी शोशानी भी पहुंचे

भयमुक्त होना होगा, दुर्बलता ही कायता को जन्म देती

संघ प्रमुख ने कहा कि आज हिंदुओं के मंदिरों की जमीनों को हड़पा जा रहा है। इसलिए यह जरूरी है कि हिंदू मंदिरों का संचालन हिंदू भक्तों के ही हाथों में रहे तथा मंदिरों की सम्पत्ति का उपयोग हिंदू समाज की सेवा में ही हो। इसके लिए हमें सब प्रकार के भय से मुक्त होना होगा। दुर्बलता ही कायरता को जन्म देती है। बल, शील, ज्ञान तथा संगठित समाज को ही दुनिया सुनती है। सत्य तथा शान्ति भी शक्ति के ही आधार पर चलती है। 'ना भय देत काहू को, ना भय जानत आप...' ऐसे हिन्दू समाज को खड़ा करना पड़ेगा। जागरुक, संगठित, बलसंपन्न व सक्रिय समाज ही सब समस्याओं का समाधान है।

घुसपैठ से बढ़ रहा जनसंख्या असंतुलन

संघ प्रमुख ने कहा कि घुसपैठियों के कारण जनसंख्या संतुलन बिगड़ रहा है। खास तौर पर सीमावर्ती राज्यों में आबादी असंतुलित हो गई है। इसलिए जनसंख्या नीति पर विचार होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1951 से 2011 के बीच जससंख्या

वृद्धि दर में भारी अंतर के कारण देश की जनसंख्या में जहां भारत में उत्पन्न मत पंथों के अनुयायियों का अनुपात 88 प्रतिशत से घटकर 83.8 प्रतिशत रह गया है। वहीं मुस्लिम जनसंख्या का अनुपात 9.8 से बढ़कर 14.23 प्रतिशत हो गया है। इसलिए घुसपैठ पर पूरी तरह से रोक लगनी चाहिए। सरकार को जनसंख्या नीति बनानी चाहिए और सभी वर्ग के लोगों के लिए लागू होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एनआरसी से घुसपैठियों की पहचान होनी चाहिए।

कश्मीर में बढ़ रही टारगेट किलिंग

कश्मीर में धारा 370 हटने के बाद आम लोगों को फायदा हुआ है। वहां आतंकी अपने डर के कारण टिके हुए थे, लेकिन 370 हटने के बाद वह डर खत्म हो गया है। इसलिए आतंकियों ने मनोबल गिराने के लिए फिर से 90 के दशक की टारगेट किलिंग शुरू की है, लेकिन अब लोग डरने वाले नहीं हैं। प्रशासन को चुस्ती से इसका बंदोबस्त करना पड़ेगा।

ड्रग्स से देश को मुक्त कराने का प्रयास हो

संघ प्रमुख ने कहा कि नई पीढ़ी में नशीले पदार्थ खाने की आदत बढ़ रही है। उच्च से निम्न स्तर तक व्यसन है। इसलिए ड्रग्स से देश को मुक्त कराने का प्रयास होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के बाद ऑनलाइन शिक्षा बढ़ी है। बच्चों के हाथ में मोबाइल हैं। ऐसे में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर नियंत्रण नहीं रह गया है। सरकार को ओ.टी.टी. के लिए सामग्री नियामक ढांचा तैयार करने के लिए प्रयास करने चाहिए।

भागवत ने कहा कि भारत ने कोरोना के प्रति सबसे अच्छे तरीके से प्रतिकार किया है। पहली लहर भारत में कोई खास असर नहीं दिखा पाई थी, लेकिन दूसरी ने कई लोगों को हमसे छीन लिया। अब तीसरी लहर की भी आशंका है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने गांव-गांव में युवाओं की टोली को प्रशिक्षित किया है, जिससे वे तीसरी लहर में देश की मदद कर पाएं।

सावरकर पर विवाद क्यों

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में यह कहकर सबको चौंका दिया कि स्वतंत्रता सेनानी और हिंदू महासभा के नेता वीर सावरकर ने अंग्रेजों से माफी महात्मा गांधी के कहने पर मांगी थी। उन्होंने अपने भाषण में इस दावे का कोई आधार नहीं बताया। जैसी कि अपेक्षा थी, उनके बयान पर कांग्रेस और अन्य दलों की ओर से तीखी प्रतिक्रिया सामने आई। इसे इतिहास को तोड़ने मरोड़ने की एक और कोशिश बताते हुए सवाल उठाया गया कि सावरकर की ओर से माफी की पहली अर्जी 1911 में डाली गई थी, जबकि महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत 1915 में लौटे, ऐसे में यह कैसे संभव हो सकता है कि सावरकर ने माफी गांधी के कहने पर मांगी हो? बेहतर होता, रक्षा मंत्री अपनी बात ज्यादा स्पष्टता से और तथ्यों व सबूतों का आधार बताते हुए रखते। लेकिन सवाल यह है कि आखिर देश में

सावरकर की माफी को लेकर बार-बार विवाद क्यों होते रहते हैं। इसमें दो राय हो ही नहीं सकती कि देश के बीसवीं सदी के इतिहास में सावरकर की अपनी एक खास भूमिका रही है जिसकी वजह से उनका अपना एक अलग स्थान है। अगर यह तथ्य है कि उन्होंने जेल से छूटने के लिए अंग्रेजी सरकार के पास बार-बार माफीनामा भिजवाया, तो इसे स्वीकार करने में हमें कोई दिक्कत क्यों होनी चाहिए? इस देश को लेकर, इसकी संस्कृति, इतिहास और भविष्य को लेकर, देश की आजादी के लिए लड़ी जा रही लड़ाई को लेकर उस दौर के हर महापुरुष की अपनी एक समझ, अपना एक नजरिया था जिस पर आधारित उनकी खास रणनीति थी। यह रणनीति अगर भगत सिंह को फांसी के फंदे की ओर ले गई तो उस दौर में भी उनके तमाम साथियों की उस पर सहमति ही नहीं थी। इसी तरह सावरकर की रणनीति ने उन्हें अंग्रेजी सरकार के पास माफीनामा भिजवाने को प्रेरित किया तो हमारा उनसे सहमत होना जरूरी नहीं है, लेकिन इसे लेकर शर्मिंदा महसूस करने का भी कोई कारण नहीं है। यह शर्मिंदगी ही है जिसकी वजह से हममें से कुछ लोग आज भी कभी सावरकर के माफीनामे को झुठलाने लगते हैं तो कभी इसके लिए महात्मा गांधी या दूसरे राष्ट्रनायकों की आड़ लेने की कोशिश करते हैं। यह स्थिति तब उत्पन्न होती है जब हम एक खास दौर के इतिहास को उसके मूल रूप में समझने और संबंधित व्यक्तित्वों का सटीक मूल्यांकन करते हुए उनके गुणों-अवगुणों से सही सबक लेने के बजाय उन महापुरुषों को आपस में लड़ाना शुरू करते हैं कि फलां जी ढिकां जी से ज्यादा बड़े या छोटे थे। यह न केवल उन महापुरुषों की स्मृतियों के साथ अन्याय है बल्कि उस दौर की हमारी समझ को भी धुंधला और दूषित करता है।

बच्चों के लिए टीका

किरीट ए. चावड़ा

देश में 2 से 18 साल उम्र तक के बच्चों के लिए कोवैक्सीन टीका इस्तेमाल करने को लेकर एक्सपर्ट कमिटी की सिफारिश ऐसे समय आई है जब कोरोना संक्रमण निचले स्तर पर है, जनजीवन सामान्य होने की ओर है और अर्थव्यवस्था भी झटकों से उबर रही है। लेकिन इसके साथ ही यह बात भी सच है कि टीकाकरण अभियान बीच-बीच में रेकॉर्ड बनाने के बावजूद अपेक्षा के अनुरूप रफ्तार हासिल नहीं कर सका है (19.8 फीसदी आबादी ही टीके के दोनों डोज ले सकी है) और कोरोना की तीसरी लहर की आशंका भी समाप्त नहीं की जा सकी है। हालांकि इस टीके को अभी डीसीजीआई (ड्रग्स कंट्रोलर जेनरल ऑफ इंडिया) की मंजूरी नहीं मिली है। लेकिन सब्जेक्ट एक्सपर्ट कमिटी (एसईसी) की सिफारिश के रूप में एक अहम पड़ाव पार कर लेने के बाद इस टीके से होने वाले नफा-नुकसानों की चर्चा होने लगी है। सबसे पहले ध्यान में रखने वाली बात यह है कि इसके तीसरे फेज के क्लिनिकल ट्रायल डेटा को लेकर सवाल बने हुए हैं। कोवैक्सीन को सुरक्षित वैक्सीन के रूप में अंतरराष्ट्रीय मान्यता पर भी स्थिति पूरी तरह साफ नहीं है। डब्ल्यूएचओ इसे टीकों की अपनी आधिकारिक सूची में

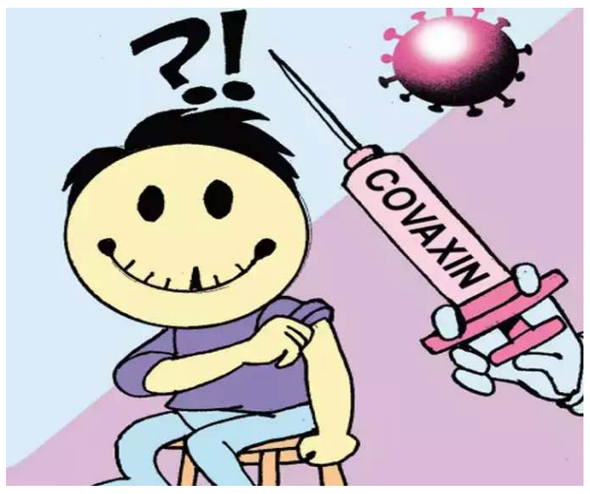

शामिल करेगा या नहीं इस पर फैसला अभी नहीं हुआ है। बहरहाल, अपने देश में तो यह टीका न केवल बड़े पैमाने पर दिया जा रहा है बल्कि अब तक के अनुभवों पर खरा भी उतरा है। फिर भी डब्ल्यूएचओ की मान्यता में देरी का असर इस रूप में जरूर देखने को मिल सकता है कि सरकार की मंजूरी मिल जाने और टीकाकरण अभियान में शामिल कर लिए जाने के बाद भी इसे लेने में लोग शुरू में कुछ हिचक दिखाएं। मगर हर टीके को लेकर शुरू में ऐसी हिचक देखी जाती रही है जो समय के साथ दूर होती है। इससे पहले अगस्त में जायडस कैडिला के कोरोना टीके को भी आपात कालीन इस्तेमाल की मंजूरी मिली थी, लेकिन वह 12 से 18 साल के बच्चों के लिए था। पहली बार इस टीके के जरिए 2 साल की उम्र तक के बच्चों को कवर करने की सोची जा रही है। इससे न केवल तीसरी लहर में बच्चों के मुख्य निशाना होने संबंधी चिंता को कम करने में मदद मिलेगी बल्कि स्कूलों की पढ़ाई को सामान्य बनाना भी आसान होगा। स्कूल खुलने के बावजूद ऑफलाइन पढ़ाई अभी कई तरह की बंदिशों के बीच ही चल रही है। हाल में आए आंकड़ों के मुताबिक कम से कम 5 करोड़ बच्चे ऐसे हैं जिनकी ऑनलाइन पढ़ाई के लिए जरूरी उपकरणों तक पहुंच नहीं है। इसके अलावा ऑनलाइन पढ़ाई से स्टूडेंट्स की समझ में होने वाले इजाफे को लेकर कई तरह के सवाल हैं। निश्चित रूप से टीके की सुरक्षा और उसकी कारगरता को लेकर सारे संदेह पहले दूर कर लिए जाएं, लेकिन उसके बाद बच्चों को टीकाकरण के दायरे में जल्द से जल्द लाना सबके हित में होगा।

रावण रात जगाता है कोई राम-कहानी दे

जिगर डी वाढेर

जौनपुर के शायर असगर मेहदी 'होश' का शेर है- क्या सितम करते हैं मिट्टी के खिलौने वाले/ राम को रक्खे हुए बैठे हैं रावण के करीब। दशहरे की शुरुआत राम और रावण के बीच फर्क कर पाने की तमीज सिखाने के लिए की गई होगी।

व्यापक जनमानस में रामकथा के एक क्लासिक के तौर पर स्थापित होने के बाद से ही राम और रावण क्रमशः अच्छाई और बुराई के प्रतीक बन गए। रावण पर राम की विजय का उत्सव दशहरा मानव समाज की इन दो विरोधी भावनाओं के बीच चलने वाले शाश्वत युद्ध पर एक निर्णायक वक्तव्य है। अच्छाई हमेशा बुराई को पराजित करेगी, असत्य का पर्दे के पीछे छिपा सत्य हमेशा सामने आएगा। रावण तेरे कितने रूप मेरा बचपन उत्तराखंड के नगर अल्मोड़ा में बीता। यहां का दशहरा बहुत खास होता है। उस दिन यहां न सिर्फ रावण का पुतला फूंका जाता है, उसके साथ उसके तमाम साथियों के पुतले भी आग के हवाले किए जाते हैं। पिछले कुछ बरसों से यहां कुल मिलाकर 28 पुतले फूंके जाते रहे हैं जिनमें अहिरावण, कुंभकर्ण, मेघनाद, प्रहस्त, ताड़का और देवांतक जैसे मिथकीय चरित्र शामिल हैं। इन पुतलों को बनाने में बहुत मेहनत की जाती है और एक पुतला दो से तीन महीने में बन पाता है। इस परंपरा पर 'द बर्निंग पपेट्स' नाम से एक डॉक्यूमेंट्री भी बन चुकी है। शहर के हर पुराने मोहल्ले की अपनी पुतला समितियां हैं। यह पहले से तय रहता है कि कौन सा मोहल्ला किस पुतले को बनाएगा। इनके निर्माण में जो चाहे हिस्सा ले सकता है। जौहरी बाजार में कुंभकर्ण बनेगा तो धारानौला में प्रहस्त। रावण का पुतला नगर के सबसे संपन्न मोहल्ले लाला बाजार में बनता है और वही सबसे शानदार दिखाई देता है। दशहरे के दिन फूंके जाने से पहले समूचे नगर में इन पुतलों का जुलूस निकाला जाता है।

अल्मोड़ा की रामलीला बहुत विख्यात है। यूनेस्को की एक रपट में डेढ़ सौ बरस से होती आ रही इस रामलीला को वैश्विक सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा बताते हुए इसे अयोध्या, बनारस, सतना और मधुबनी की रामलीलाओं के समकक्ष रखा गया है। अल्मोड़ा के ऐतिहासिक हुक्का क्लब में रामलीला की तैयारी महीनों पहले शुरू हो जाती है। इसे तालीम कहा जाता है। प्रसंगवश रामलीला के साथ तालीम जैसा उर्दू शब्द इसलिए जुड़ा कि शुरुआती वर्षों में कलाकारों की संगत के लिए दिए जाने वाले संगीत के निर्माण में अल्मोड़ा आ कर बस गए मुसलमान संगीतकारों का बड़ा हाथ होता था।

रामलीला की तालीम के दौरान पात्रों की वेशभूषा और आभूषणों पर अलग से काम किया जाता था। कभी देखा है आपने भारत की इन जगहों का दशहरा, बेहद ही अनोखे अंदाज में मनाया जाता है ये त्योहार

राम को सदैव निश्छल दिखाया जाना होता था इसलिए कोई सुदर्शन किशोर ही राम की भूमिका के लिए छांटा जाता। कोई किशोर हद से हद दो या तीन साल तक ही राम का रोल कर सकता था क्योंकि फिर उसकी मूंछें आनी शुरू हो जाती थीं। रावण की भूमिका तय रहती थी। नगर का कोई विशालकाय अभिनेता इस काम को बीस-पचीस सालों तक किया करता था। राम की पोशाक के सामने रावण की पोशाक बेहद भव्य, महंगी और आकर्षक हुआ करती थी।

बंदर की भूमिका करने वाला बच्चा भी मन ही मन एक बार उस पोशाक को धारण करने का सपना देखता था। रावण के हिस्से ही सारे हिट संवाद आते थे और उसी को देखने सबसे बड़ी भीड़ जुटा करती। रामलीला के राम और रावण के पात्रों की यह कथा देश की तकरीबन हर रामलीला पर लागू हो सकती है। राम के मुकाबले रावण को हमेशा अपराजेय और चमत्कारी दिखना चाहिए। राम की कथा और उससे जुड़ी परंपराओं को उनके रस्मी अर्थों से इतर सांकेतिक रूप से देखेंगे तो पाएंगे कि संसार में रावणों का राज्य रहा है। उनकी सफलता के किस्से समाचारों की सुर्खियां बनते हैं। आपको हर जगह वे ही सत्ता में दिखाई देंगे। कोई आश्चर्य नहीं कि सुशासन को रामराज्य का नाम दिया जाता है और वह हमेशा एक अमूर्त और अवास्तविक चीज बना रहता है। रावण दहन देखने निकल रहे हैं तो सावधान, नोएडा में आज बंद रहेंगे ये रास्ते सूचना क्रांति के इस संक्रमण काल में जब छद्म सूचनाओं और समाचारों से बाजार पटा हुआ है, रावण का रूप और भी विराट और आधुनिक हुआ है। वह बाजार का सबसे बड़ा चेहरा बन चुका है।

चमचम करते बाजारों की संरचनाओं के चेहरों पर उसकी दर्प भरी मुस्कान छपी हुई है। दुनिया के सबसे तेज दिमाग उसकी सत्ता को मजबूत बनाने में दिन-रात मेहनत में लगे हुए हैं। कहीं युद्ध की तैयारी है, कहीं मिसाइलों के बाजार सजे हैं।

विज्ञापन के रथ पर सवार रावण की सवारी दिन में सौ दफा निकलती है जिसका सीधा प्रसारण निर्धन झुग्गियों तक पहुंचाया जा चुका है।

दिन भर रिक्शा खींचने, हाड़ गलाने वाला एक मजदूर शाम को घर पहुंचता है तो उसके थैले में नून-तेल-आटे के अलावा प्लास्टिक के रैपर में लिपटा कुछ न कुछ ऐसा जरूर होता है जो उसके बच्चे मांगते हैं। प्लास्टिक के उस गैरजरूरी रैपर के बगैर आज के समाज की कल्पना करना मुश्किल लगता है। राम के आदर्शों की जरूरत पैसे की चौंध और आधुनिकता के नकली सिद्धांतों ने राम के आदर्शों को सर के बल खड़ा कर दिया है।

एक सिद्धांत के रूप में राम का बताया मार्ग एक अनुकरणीय जीवन दर्शन तो हो सकता है लेकिन वैसा जीवन जीना कोई नहीं चाहता। हर किसी को रावण बनना है, हर किसी को रावण की वही चमचम करती पोशाक चाहिए जिसे पहन वह सार्वजनिक रूप से अट्टहास कर सके। संक्षेप में कहें तो हर बीतते दिन के साथ स्थितियां खराब से खराब होती जा रही हैं। अमीरी और गरीबी के बीच का फासला बढ़ता जा रहा है।

अंग्रेजी कवि विलियम बटलर येट्स की एक कविता का संदर्भ दूं तो संसार में जो सबसे भले हैं वे पराजित हैं जबकि सबसे बुरों के पास जीने को लेकर सबसे ज्यादा उत्साह और उल्लास है। अमीर कजलबाश की तरह मैं भी दशहरे के इस दिन बस इतनी सी दुआ ही कर सकता हूं, 'तेरे बच्चे प्यासे हैं, इन पौधों को पानी दे/ रावण रात जगाता है कोई राम-कहानी दे।'

तेल की तरह बढ़े बिजली का दाम

भूपेन्द्र पटेल

वर्तमान बिजली संकट का तात्कालिक कारण कोयले की शॉर्टेज है लेकिन यह शॉर्टेज खुद ग्लोबल वार्मिंग की वजह से है। आगे बढ़ने से पहले कुछ कथित कारणों का निवारण जरूरी है। पहला कथित कारण है कि कोविड संकट के बाद अर्थव्यवस्थाएं फिर स्पीड पकड़ रही हैं जिससे बिजली की मांग बढ़ी और संकट पैदा हो गया है। यह मान्य नहीं है क्योंकि अपने देश में जितना कोयले का उत्पादन अप्रैल से सितंबर 2019 में हुआ था, उससे 11 प्रतिशत अधिक उत्पादन अप्रैल से सितंबर 2021 में हुआ है। कोविड के बाद कोयले का घरेलू उत्पादन बढ़ा है इसलिए यह संकट का कारण नहीं है। दूसरा कथित कारण यह बताया जा रहा है कि चीन ने ऑस्ट्रेलिया से कोयले के आयात पर रोक लगा दी है। यह भी मान्य नहीं है, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के कोयले की मांग बढ़ी हुई है। असर ग्लोबल वार्मिंग का चीन के कोयला न खरीदने से विश्व बाजार में ऑस्ट्रेलिया के कोयले की सप्लाई में कमी नहीं आई है। तीसरा कथित कारण है कि थर्मल पावर की जगह पर सोलर और विंड पावर के बढ़ते उपयोग के चलते कोयले के उत्पादन से उद्यमियों का ध्यान हट गया है और संकट पैदा हुआ है। यह तर्क भी सटीक नहीं बैठता है। अगर यह कारण होता तो कोयले की मांग कम होती, कोयले की उपब्धता बढ़ती और उसके दाम गिरते। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। इसलिए तीनों कारण स्वीकार नहीं हैं।

असल में वर्तमान संकट ग्लोबल वार्मिंग के कारण बिजली उत्पादन में कमी के साथ खपत में वृद्धि का संयोग है। ग्लोबल वार्मिंग ने बिजली के उत्पादन को तीन तरह से प्रभावित किया है। पहला यह कि भारत में कोयले की खदानों में बाढ़ आने से उत्पादन प्रभावित हुआ है। चीन और ऑस्ट्रेलिया में भी कोयले की खानों में बाढ़ आने से उत्पादन में गिरावट आई है। इस कारण कोयले का कुल वैश्विक उत्पादन गिरा और कीमतों में इजाफा हुआ है। दूसरा कारण, बीते समय में विश्व के कई हिस्सों में भयंकर तूफान आए, विशेषकर अमेरिका के तेल उत्पादक राज्यों लुईजियाना और टेक्सास में। जिसके कारण वहां तेल का उत्पादन प्रभावित हुआ। तीसरा कारण, बीते समय में चीन में मौसम सूखा रहा है जिसके चलते जल विद्युत का उत्पादन गिरा है। चीन में वायु की गति भी सुस्त रही है जिसके कारण विंड पावर का उत्पादन भी कम हुआ है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण

बिजली की खपत में भी वृद्धि हुई है। बीते वर्ष यूरोपीय देशों में ठंड का मौसम लंबा खिंचा, जिसके कारण तेल की खपत अधिक हुई और उन देशों के पास तेल के भंडार बेहद कम बचे। आगामी सर्दी का समय भी लंबा खिंचने का अनुमान है। इसलिए ये देश तेल का अधिक भंडारण करना चाह रहे हैं, फलस्वरूप तेल की मांग बढ़ी हुई है। इसलिए ग्लोबल वार्मिंग से एक ओर बाढ़ के प्रकोप से, सूखा पड़ने और वायु की तीव्रता कम होने से उत्पादन कम हुआ है, जबकि दूसरी तरफ ठंड के लंबे खिंचने से उर्जा की खपत बढ़ी है। इन प्रभावों का संयुक्त परिणाम रहा कि ऊर्जा की पूर्ति कम हुई, जबकी मांग अधिक है और संकट उत्पन्न हुआ है। यही कारण है कि यूरोप में नैचरल गैस के दाम और वैश्विक स्टार पर कच्चे तेल और कोयले के दाम में भारी वृद्धि हुई। इन तीनों स्रोतों के दाम आपस में वैसे ही जुड़े रहते हैं, जैसे बाजार में दुकानदार माल के दाम एक दूसरे को देख कर घटाते बढ़ाते हैं। बिजली संकट की वजह 'काला कोयला' या 'कोरी राजनीति', क्या बेकार का डर किया जा रहा है पैदा? देखिए आंकड़े

अपने देश में बिजली उत्पादन के लिए कोयले का भारी उपयोग होता है। इसे लगभग 90 प्रतिशत घरेलू स्रोतों से पूरा किया जाता है और 10 प्रतिशत आयातों से। कई थर्मल बिजली उत्पादन संयंत्र आयातित कोयले पर आधारित हैं। आयातित कोयले के दाम बढ़ने से इनके द्वारा उत्पादित बिजली का दाम बढ़ गया और बिजली बोर्डों ने इस महंगी बिजली को खरीदने से इनकार कर दिया है। फलस्वरूप देश में बिजली का उत्पादन गिरा है और संकट पैदा हो गया है। जिस प्रकार मरीज का तापमान 104 डिग्री से 105 डिग्री होने से मरीज की हालत बिगड़ जाती है, उसी प्रकार आयातित कोयले से उत्पादित होने वाली 10 प्रतिशत बिजली पर संकट आने से पूरे देश में संकट पैदा हो गया है।

आगे की सोचें तो ग्लोबल वार्मिंग के कारण इस प्रकार के संकट उत्तरोत्तर आते रहेंगे। हमारी विशेष समस्या यह भी है कि हम अपनी खपत का 10 प्रतिशत कोयले और 85 प्रतिशत ईंधन तेल का आयात करते हैं। हम वैश्विक बाजार पर इस कच्चे माल के लिए निर्भर हैं। इस कच्चे माल के दाम बढ़ते-घटते रहते हैं लेकिन देश में बिजली का दाम विद्युत् नियामक आयोग लंबे समय के लिए तय करता है। इसलिए कच्चे माल का दाम चढ़ता-उतरता रहता है, जबकि बिजली का दाम स्थिर रहता है। जैसे वर्तमान में कच्चे माल का दाम बढ़ गया है। बिजली के दाम में समानांतर वृद्धि न होने के कारण कुछ बिजली संयंत्रों को उत्पादन बंद करना पड़ा है और संकट पैदा हो गया है। केजरीवाल सरकार का दावा, अंधेरे की तरफ दिल्ली… NTPC का पलटवार- बिजली संकट है कहां? 'हमारे पास 30 % सरप्लस सप्लाई' बदलनी होगी व्यवस्था उपाय है कि हमें अपनी ऊर्जा की खपत कम करनी होगी, जिसके लिए हमें ऊर्जा की कीमतों में वृद्धि करनी पड़ेगी। दूसरे, बिजली के दाम को कच्चे माल के दाम के अनुसार बदलते रहना होगा। जिस प्रकार पेट्रोल और डीजल के दाम प्रतिदिन उतरते-चढ़ते हैं, उसी तरह बिजली के दाम में भी दैनिक नहीं, तो मासिक परिवर्तन की व्यवस्था करनी होगी। वर्तमान में बिजली का मूल्य 6 से 8 रुपया प्रति यूनिट है, जिसे लंबे समय के लिए निर्धारित किया गया है। कच्चे माल के वैश्विक दाम में वृद्धि के साथ-साथ इसमें वृद्धि नहीं की जा सकती है। इसलिए संकट पैदा हुआ है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण कोयले और तेल के मूल्य में तीव्र उतार-चढ़ाव होते रहेंगे और उसके अनुसार घरेलू व्यवस्था को बदलना होगा, तभी इस प्रकार के संकट का निवारण होगा।

चोरी के हजारों मोबाइल आखिर क्यों भेजे जाते हैं बांग्लादेश, मुंबई क्राइम ब्रांच ने राज पर से उठाया पर्दा

मुंबई, भारत में रोज हजारों मोबाइल चोरी होते हैं, पर यह मोबाइल देश से ज्यादा अब बांग्लादेश में बेचे जाते हैं। यह जानकारी मुंबई क्राइम ब्रांच को तब पता चली, जब उसने मोबाइल चोरी गैंग के चार लोगों को गिरफ्तार किया। इनके पास से 43 लाख रुपये कीमत के 248 मोबाइल जब्त किए गए। यही नहीं, कई लैपटॉप्स भी बरामद किए गए। डीसीपी दत्ता नलावडे ने एनबीटी को बताया कि मुंबई में लोकल ट्रेनों और बसों से आम यात्रियों के मोबाइल फोन काफी संख्या में चोरी हो रहे थे। क्राइम ब्रांच ऐसे चोरों को ट्रेस करने की कोशिश कर रही थी कि चेंबूर यूनिट को सूचना मिली कि गोवंडी में एक घर में दर्जनों चोरी के मोबाइल रखे हुए हैं। इसके बाद सीनियर इंस्पेक्टर रवींद्र सालुंखे और पीएसआई संजय गायकवाड की टीम ने वहां रेड डाली और वहां से मोबाइल और लैपटॉप बरामद किए। बांग्लादेश से दूसरे मुल्कों में भी भेजे जाते हैं ये मोबाइल जब आरोपी से पूछताछ की गई, तो उसने बताया कि वह इन्हें चोरी नहीं करता, बल्कि जो लोग इन्हें चोरी करते हैं, उनसे इन्हें सस्ते दामों में उसके गैंग के लोगों द्वारा खरीदा जाता है। बाद में गैंग से जुड़े लोग इन्हें दिल्ली और आगरा में अपने कुछ साथियों तक भिजवाते हैं। ये साथी इन चोरी के मोबाइल को लेकर कोलकाता जाते हैं। कोलकाता में मालदा से गैंग के लोग आते हैं। इन मोबाइल को लेते हैं और फिर बॉर्डर क्रास कर बांग्लादेश में गैंग के दूसरे लोगों को पहुंचा देते हैं। बांग्लादेश से यह मोबाइल फिर अन्य देशों में भी भेजे जाते हैं। इस गैंग का लीडर समीर शेख है। उसके साथ मोहम्मद वाजू शेख, मोहसीन अब्दुल शेख और सनी यादव को भी गिरफ्तार किया गया है। मुंबई क्राइम ब्रांच की जांच में यह बात सामने आई कि एमएमआर रीजन में चोरी किए गए ज्यादातर मोबाइल तो इसी गैंग के लोग खरीदते थे ही, यूपी, तिरुपति से भी चोरी हुए कई मोबाइल मुंबई में इस गिरोह के पास भेजे गए।

...फिर मोबाइल को ट्रेस करना नामुमकिन चोरी के मोबाइल बांग्लादेश और वहां से अन्य देशों में क्यों भेजे जाते थे? दरअसल, जब कभी भी मोबाइल चोरी की शिकायत पुलिस स्टेशन में दर्ज होती है, तो पुलिस आईएमईआई नंबर से चोरी के मोबाइल को ट्रैक करने की कोशिश करती है। जो भी व्यक्ति उस आईएमईआई नंबर वाले मोबाइल में सिम डालेगा, तो पुलिस को सिम वाले का नाम, पता और लोकेशन मिल जाएगा।सीनियर इंस्पेक्टर रवींद्र सालुंखे के एक अधिकारी के अनुसार, ऐसे लोगों को हम तभी पकड़ सकते हैं, जब चोरी हुआ मोबाइल सेट देश में ही हो। जब चोरी का मोबाइल विदेश चला गया, तो उसे ट्रेस करना तो हमारे लिए संभव ही नहीं। मोबाइल चोरी गैंग के लोगों को भी यह बात पता है, इसलिए कुछ समय से भारत में चोरी के मोबाइल बांग्लादेश या फिर नेपाल में भेजे और बेचे जा रहे हैं।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा- वरवर राव को 28 अक्टूबर तक आत्मसमर्पण करने की जरूरत नहीं

मुंबई, बॉम्बे हाई कोर्ट ने बृहस्पतिवार को कहा कि एल्गार परिषद-माओवादी संबंध मामले में कवि-कार्यकर्ता वरवर राव को 28 अक्टूबर तक तलोजा जेल अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करने की जरूरत नहीं है। न्यायमूर्ति नितिन जमादार और एस वी कोतवाल की पीठ ने बृहस्पतिवार को राव को आत्मसमर्पण के लिए दी गई अवधि 28 अक्टूबर तक के लिए बढ़ा दी और कहा अदालत आगे की सुनवाई 26 अक्टूबर को करेगी। जमानत अवधि पर 26 अक्टूबर को सुनवाई पीठ ने यह भी कहा कि उन्हें दी गई जमानत की अवधि बढ़ाने पर 26 अक्टूबर को सुनवाई की जायेगी। राव (82) को उच्च न्यायालय ने इस साल 22 फरवरी को मेडिकल आधार पर छह महीने के लिए जमानत दी थी। उन्हें पांच सितंबर को आत्मसमर्पण करना था और न्यायिक हिरासत में लौटना था। हालांकि, राव ने अपने अधिवक्ता आर सत्यनारायण और वकील आनंद ग्रोवर के मार्फत पिछले महीने एक अर्जी देकर जमानत की अवधि बढ़ाने का अनुरोध किया था। हैदराबाद में ठहरने की अनुमति राव ने जमानत पर जेल से बाहर रहने के दौरान अपने गृह नगर हैदराबाद में ठहरने की अनुमति भी मांगी थी। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) एल्गार परिषद-माओवादी संबंध मामले की जांच कर रहा है। एनआईए ने मेडिकल जमानत बढ़ाने की राव की याचिका और हैदराबाद जाने देने के अनुरोध का विरोध करते हुए कहा कि उनकी मेडिकल रिपोर्ट इस बारे में संकेत नहीं देती है कि उन्हें कोई गंभीर बीमारी है।

रेस्क्यू कर बड़े अजगर की बचाई जान

अमरावती। टाकरखेड़ा संभू के पास निमखेड़ा के एक खेत में विशालकाय अजगर दिखाई दिया। खेत में काम करते दौरान अजगर दिखाई देने से किसान व खेतीहर मजदूरों में भय व्याप्त हुआ। अजगर दिखाई देने की जानकारी परिसर के लोगों ने सर्प मित्रों को दी। इस दौरान कुछ लोग अजगर को मारने का प्रयास करते समय ऐन वक्त पर सर्प मित्रों ने घटनास्थल पहुंचकर अजगर को सकुशल पकड़ा और उसे जंगल में छोड़ दिया। निमखेड़ा के रेणुका नदी से सटे विनोद महिंगे नामक किसान का खेत है। उनके खेत में सोयाबीन कटाई का काम शुरू था। इस दौरान काम कर रहे मजदूरों को अजगर दिखाई देने से भय का वातावरण निर्माण हुआ है। उन्होंने तुरंत इसकी जानकारी निमखेड़ा के सर्पमित्रों को दी। जानकारी मिलते ही समय न गंवाते हुए सर्पमित्र दिनेश महिंगे, वैभव रंगारी, अमन राऊत, रोहित रंगारी, सगर धरपाल और समित पाटिल ने विनोद महिंगे के खेत में पहुंचकर अजगर को सकुशल पकड़ा और इसकी जानकारी वनविभाग को दी। इसके बाद अजगर को जंगल में छोड़ दिया गया।

ताला तोड़कर ठेकेदार के घर में चोरी

मकान को ताला लगाकर परिवार के साथ कोराडी मंदिर में दर्शन करने गए ठेकेदार के घर चोरी हो गई। अज्ञात चोर गहने व नकदी सहित करीब 1.52 लाख का माल चुरा ले गया। प्लॉट नं 111, मिलन नगर, बहादुरा रोड निवासी भेदलाल शंभूलाल नागेश्वर (39) ने वाठोड़ा थाने में शिकायत की है। वह 12-13 अक्टूबर की दरमियानी रात करीब 2 बजे परिवार के साथ कोराडी मंदिर में दर्शन करने गया था। इस दौरान घर में रखी तिजोरी से नकदी 50 हजार रुपए व सोने-चांदी के गहने किसी ने चुरा लिए। पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

रेलवे ने दी कार्रवाई की चेतावनी

यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने पटरियों के आसपास रावण दहन करने पर कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। एक विज्ञप्ति में रेलवे ने आगाह किया कि ज्वलनशील व विस्फोटक पदार्थों को यात्रा के दौरान साथ रखना दंडनीय अपराध है। पटरियों के आसपास रावण दहन से दुर्घटना की आशंका होती है।

पुलिस ने छापा मारा, रिश्वत लेते तीन गिरफ्तार

स्थानीय एसीबी की टीम ने अमरावती में छापा मारा। सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी से पांच हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए पटवारी समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। शिकायतकर्ता सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी है। उसकी जमीन अमरावती जिले में है। जमीन का फेरफार करने के लिए पटवारी ने तहसीलदार के नाम से शिकायतकर्ता को रिश्वत की मांग की थी। तय योजना के तहत बुधवार को स्थानीय एसीबी की टीम ने जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर पटवारी संतोष गणेशराव चपटे (35) वर्ष, दिलीप विठ्ठलराव बोरकर (54) और गजानन रमेशराव सावंत (42) को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ धर-दबोचा है।

मंदिर से लौटे तो मकान का ताला टूटा मिला, नकदी और आभूषण चोरी

हुड़केश्वर थानांतर्गत एक व्यक्ति के घर से नकदी और आभूषणों की चोरी हो गई। पुलिस ने प्रकरण दर्जी किया है। आरोपी का सुराग नहीं मिला है। मानेवाड़ा रोड स्थित श्रीनगर क्र.2 निवासी राजेंद्र अजाबराव आवारे (58) मंगलवार को दिन में परिवार के साथ कोराड़ी स्थित मंदिर में दर्शन करने गए थे। जब वह दोपहर करीब 3 बजे वापस घर आए, तो दरवाजे की कुंडी टूटी हुई दिखाई दी। किसी ने घर में प्रवेश कर अलमारी से नकद 10 हजार रुपए और सोने के आभूषण कुल डेढ़ लाख रुपए के सामान की चोरी कर ली। दिनदहाड़े हुई इस घटना की आस-पड़ोस के लोगों को भी भनक नहीं लगी। पुलिस जांच कर रही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर में साइकिल सवार की मौत

साइकिल से जाते समय 65 वर्षीय रमेश सोनटक्के को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में जख्मी रमेश को जगनाड़े चौक स्थित निजी अस्पताल में ले जाने पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। गृहलक्ष्मी नगर भांडेवाड़ी निवासी रमेश श्रीराम सोनटक्के गत 12 अक्टूबर की रात करीब 9.30 बजे साइकिल से घर जा रहे थे। इस बीच जगनाड़े चौक के पास अज्ञात वाहन चालक ने साइकिल को टक्कर मार दी और वाहन सहित फरार हो गया। सूचना मिलने पर कोतवाली थाने में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

विवाहिता ने लगाई फांसी, पुलिस कर रही जांच

एमआईडीसी थानांतर्गत महाजनवाड़ी में मंगलवार को सीमा अमोल बोबडे (27) ने सीलिंग फैन से दुपट्टा बांधकर फांसी लगा ली, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के दौरान वह घर में अकेली थी। उसका पति काम पर गया था। वह निजी कंपनी में लेबर सप्लायर है। सीमा को पांच वर्ष का एक बेटा भी है, जो घटना के दौरान मकान मालिक के घर में खेल रहा है। घटना का कारण अज्ञात है। बरामद सुसाइड नोट में आत्मघाती कदम उठाने का उल्लेख किया हुआ है। इसके आधार पर प्रकरण को दर्जी कया गया है।

पति और ससुर की प्रताड़ना से परेशान महिला ने की खुदकुशी

वरुड। तहसील के काटी ग्राम निवासी गौरी रत्नाकर कुटे नामक 40 वर्षीय विवाहित महिला का मृतदेह फंदे से लटका दिखाई दिया। जिससे गांव में हड़कंप मच गया। संबंधित महिला ने हत्या की है या आत्महत्या इस बात को लेकर गांव में चर्चाओं का बाजार गर्म है। खबर लिखे जाने तक इस प्रकरण की स्पष्ट जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी। लेकिन बेनोडा शहीद पुलिस द्वारा महिला के पति व ससुर को गिरफ्तार करने से मामला और भी गंभीर दिखाई देने लगा है। जानकारी के अनुसार काटी ग्राम के कुटे परिवार में जरूड़ निवासी गौरी रहाटे का विवाह कुछ वर्ष पूर्व हुआ था। कुछ वर्ष वैवाहिक जीवन अच्छा चलने के बाद महिला के पति रत्नाकर कुटे की नशे की आदत बढ़ने से परिवार में झगड़े होने लगे।

मुंबई में बीएमसी, महाराष्ट्र सरकार के केंद्रों पर शुक्रवार को नहीं होगा कोरोना वैक्सीनेशन

मुंबई, बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) और महाराष्ट्र सरकार द्वारा मुंबई में संचालित केंद्रों पर शुक्रवार को कोविड रोधी टीकाकरण नहीं होगा। यह जानकारी नगर निकाय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी। उन्होंने कहा कि नगर निकाय के पास टीकों का पर्याप्त भंडार है और टीकाकरण शनिवार से बहाल होगा। महानगर में 374 सक्रिय टीकाकरण केंद्र हैं जिनमें से 309 का संचालन बीएमसी और 20 केंद्रों का संचालन राज्य सरकार के पास है। अब तक नौ करोड़ लोगों को लगा टीका महाराष्ट्र सरकार ने बुधवार को कहा कि राज्य में अब तक नौ करोड़ लोगों को कोविड-रोधी टीके की कम से कम एक खुराक दी जा चुकी है जोकि देश में सर्वाधिक संख्या है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा कि बुधवार शाम तक महाराष्ट्र के नौ करोड़ लोगों को टीके की खुराक दी चुकी है। इनमें से 2.76 करोड़ लोगों को टीके की दोनों खुराक दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार टीकाकरण अभियान में और तेजी लाने को प्रयासरत है।

आर्यन खान को नहीं मिली जमानत, 20 अक्टूबर को होगा फैसला

मुंबई। क्रूज ड्रग्स पार्टी मामले में गिरफ्तार किए गए आर्यन खान और दूसरे आरोपियों को अभी कुछ दिन और जेल में गुजारने होंगे। मुंबई की विशेष एनडीपीएस अदालत ने गुरूवार को इस मामले में सुनवाई के बाद फैसला 20 अक्टूबर तक के लिए सुरक्षित रख लिया। इसका मतलब आर्यन और उसके साथ मामले में गिरफ्तार अरबाज मर्चेंट और मुनमुन धमीचा को अगले बुधवार तक मुंबई की आर्थर रोड जेल में ही रहना होगा। वहीं कोरोना संक्रमण से कैदियों को बचाने के लिए आर्यन और दूसरे आरोपियों को अब तक जेल में ही बने क्वारेंटाईन सेंटर में रखा गया था। लेकिन यह अवधि समाप्त होने के बाद अब आर्यन को जेल में अन्य कैदियों के बीच रहना होगा। नियमित ड्रग्स लेता है आर्यन एनसीबी की ओर से एडिशनल सॉलिसीटर जनरल अनिल सिंह ने आर्यन की जमानत का विरोध करते हुए कहा कि आर्यन से कितनी मात्रा में ड्रग्स बरामद की गई है इस बात का जमानत से कोई लेना देना नहीं है। उन्होंने कहा कि आर्यन के ह्वाट्सएप चैट से खुलासा हुआ

है कि वह नियमित तौर पर ड्रग्स का सेवन करता है। ऐसे में उसके पास ड्रग्स न पाया जाना कोई मायने नहीं रखता। एनडीपीएस कानून की कई धाराओं में ड्रग्स की बरामदगी जरूरी नही है। दोषी पाए जाने तक निर्दोष होने की दलील एनडीपीएस के मामलों में नहीं चलती। इसमे आरोपी को अपने पास ड्रग्स न होने की बात साबित करनी पड़ती है। शौविक चक्रवर्ती से जुड़े मामले में हाईकोर्ट के आदेश को पढ़ते हुए सिंह ने कहा कि अदालत ने अपने फैसले में माना था कि आरोपी जांच में एक महत्वपूर्ण कड़ी था और वहां पैसों का लेन देन हुआ था। अदालत ने माना था कि एनडीपीएस के तहत सभी जमानती अपराध गैर जमानती है। कोर्ट ने आरोपी से कहा था कि अगर कोई रिकवरी नहीं हुई तब भी आप ड्रग डीलर्स के संपर्क में थे इसलिए जमानत नहीं दी जा सकती। सिंह ने कहा कि इस मामले में भी आरोपी ड्रग डीलर अचित कुमार और शिवराज के संपर्क में थे। उन्होंने कहा कि आर्यन और उसके दोस्त अरबाज के पास छह ग्राम ड्रग्स बरामद हुई है और वह यह नहीं कह सकते कि उन्हें इस बारे में कोई जानकारी नही थी। दोनों अच्छे दोस्त थे और दोनों एन्जॉय कर रहे थे। जांच एजेंसी के मुताबिक आर्यन के अंतर्राष्ट्रीय ड्रग तस्करों से संपर्क और अवैध रूप से ड्रग्स हासिल करने के सबूत हैं। इससे पहले बुधवार को भी जमानत अर्जी पर सुनवाई हुई थी। सुनवाई के दौरान सिंह की दलीलें अधूरी रह गई थीं जिसे उन्होंने गुरूवार को पूरी करते हुए आरोपियों को जमानत देने का विरोध किया दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने फैसला अगले बुधवार तक के लिए सुरक्षित रख लिया।

किराए की दरों को लेकर बवाल, बेस्ट ने कहा ली थी मंजूरी

मुंबई, हाल ही में बेस्ट द्वारा इंटरनैशनल एयरपोर्ट से गेट-वे ऑफ इंडिया और बीकेसी के लिए पॉइंट-टू-पॉइंट एसी बस सेवा शुरू की गई है। इन सेवाओं का उद्घाटन राज्य के पालक मंत्री आदित्य ठाकरे द्वारा किया गया। इन सेवाओं के शुरू होते ही अब नया बवाल शुरू हो गया है। बवाल का विषय है इन बसों का किराया, जो बेस्ट की अन्य बसों से कहीं ज्यादा है। महाराष्ट्र मोटर वाहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बस सेवा किरायों को नियामक- मुंबई महानगर क्षेत्र परिवहन अधिकरण (एमएमआरटीए) से स्वीकृति नहीं मिली है, वहीं बेस्ट प्रशासन ने दावा किया है कि उसके नीति-निर्माण निकाय ने किरायों को मंजूरी दे दी है। पॉइंट-टू-पॉइंट सर्विस मंगलवार को, बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई ऐंड ट्रांसपोर्ट

(बेस्ट) की पॉइंट-टू-पॉइंट (सीधी) सेवा की 60 नई इलेक्ट्रिक बसें शुरू हुईं। बेस्ट शिवसेना शासित शहर की नगरपालिका का परिवहन उपक्रम है। बेस्ट के मुताबिक, यात्रियों को शहर के हवाई अड्डे से बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) तक की यात्रा के लिए 75 रुपये, वर्ली में नेहरू प्लेनेटोरियम तक के लिए 125 रुपये, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) तक के लिए 150 रुपये और हवाई अड्डे से दक्षिण मुंबई में स्थित होटल ट्राइडेंट तथा गेट-वे ऑफ इंडिया जाने के लिए 175 रुपये किराया देना होगा। क्या है सामान्य किराया यात्री कार्यकर्ताओं और विशेषज्ञों का आरोप है कि किराया सामान्य बेस्ट किरायों के मुकाबले "बहुत ज्यादा" है, जो इतनी ही दूरी के लिए सामान्य बसों के लिए पांच रुपये से 20 रुपये और एसी बसों के लिए छह रुपये से 25 रुपये के बीच है। एमएमआरटीए के एक सदस्य ने बताया कि परिवहन अधिकरण को बस सेवा किराया के लिए कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है। अधिकारी ने बताया, "इस संबंध में एमएमआरटीए के समक्ष कोई प्रस्ताव नहीं रखा गया है।" लेकिन, बेस्ट प्रशासन ने दावा किया कि उपक्रम की नीति निर्माण इकाई, उसकी समिति ने सीधी बस सेवा के लिए किराया स्वीकृत कर दिया है।

नवाब मलिक को मिल रही है जान से मारने की धमकी! बढ़ाई गई सुरक्षा व्यवस्था

मुंबई, महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक ने कहा कि जब से मैंने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के खिलाफ आवाज बुलंद की है तब से मुझे धमकी भरे फोन देशभर से आ रहे हैं। जिसमें यह कहा जा रहा है कि तुम्हें खत्म कर दिया जाएगा। लिहाजा महाराष्ट्र सरकार ने मेरी सुरक्षा व्यवस्था को और भी कड़ा किया गया है। जो सुरक्षा कवच मुझे फिलहाल मिला हुआ था उसे और भी बढ़ाया गया है। एनसीबी की कार्रवाई पर उठाए थे सवाल कुछ दिन पहले नवाब मलिक ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा एक क्रूज़ पर की गई छापेमारी को फर्जी करार दिया था। जिसको लेकर उन्होंने कई सबूत भी पेश किए थे। उन्होंने यह आरोप भी लगाया था कि एनसीबी ने क्रूज़ पर छापेमारी की कार्रवाई बीजेपी के इशारे पर की थी। एनसीबी की कार्रवाई के दौरान एक बीजेपी नेता मनीष भानुशाली, आर्यन खान और अन्य आरोपियों को एनसीबी दफ्तर में खींचते हुए दिखाई पड़ रहा था।

कोरोना पर वार करने मई में आ जाएगी हाफकिन वैक्सीन! जनवरी में तैयार हो जाएगी बीएसएल लैब

मुंबई, घरेलू कोरोना वैक्सीन हाफकिन अगले साल मई में बाजार में आ सकती है। पहले महीने ही इस वैक्सीन की 1 करोड़ डोज बाजारों में उपलब्ध हो जाएंगे। कोरोना वैक्सीन का घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार ने को-वैक्सीन बना रही हैदराबाद की कंपनी भारत बायोटेक के साथ टेक्नॉलजी ट्रांसफर व्यवस्था के तहत हाफकिन बायोफार्मा को वैक्सीन उत्पादन की मंजूरी दी थी। बता दें कि केंद्र सरकार ने अप्रैल 2021 में महाराष्ट्र की स्वामित्व वाली हाफकिन बायोफार्मा को को-वैक्सीन उत्पादन के लिए मंजूरी दी थी। इस मंजूरी के बाद से ही हाफकिन वैक्सीन की तैयारियां शुरू हो गई थीं। हाफकिन प्रोडक्शन के महाप्रबंधक सुभाष शंकरवार ने बताया कि वैक्सीन उत्पादन के लिए सेफ्टी लैब की आवश्यकता है। इस लैब के निर्माण के लिए निविदा जारी कर दी गई है। उन्होंने बताया कि जनवरी तक बीएसएल लैब का निर्माण पूरा हो

जाएगा। आईसीएमआर और हाफकिन के वैज्ञानिकों की निगरानी में इस लैब का निर्माण होगा। इसके बाद एक महीने तक इस लैब की टेस्टिंग की जाएगी। टेस्टिंग में साइंटिस्ट इस बात की जांच करेंगे कि लैब का निर्माण एसओपी के तहत हुआ है कि नहीं। वैक्सीन के उत्पादन में लैब कितनी सुरक्षित है, इस बात की भी जांच साइंटिस्ट करेंगे। शंकरवार के मुताबिक, फरवरी में वैक्सीन के तीन बैच का उत्पादन किया जाएगा। अगले तीन महीने तक इस वैक्सीन की स्टेबिलिटी जांच की जाएगी। क्या है बीएसएल-3 बीएसएल-3 एक सुरक्षा मानक है, जो ऐसी सुविधाओं पर लागू होता है, जहां काम में कीटाणु शामिल होते हैं। ये कीटाणु सांस से शरीर में प्रवेश करके गंभीर बीमारी का कारण बन सकते हैं। शंकरवार ने बताया कि सार्वजनिक क्षेत्र की संपत्ति का उपयोग करके वैक्सीन उत्पादन की क्षमता बढ़ाई जा सकती है।

ऑनलाइन FRAUD से खुद को बचाएं

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, भारत में 2020 में साइबर अपराध के 50,035 मामले दर्ज किए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में इस तरह के अपराधों में 11.8 प्रतिशत की वृद्धि है। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने पिछले हफ्ते एक बार फिर बैंक ग्राहकों को धोखाधड़ी के प्रति आगाह किया, जिसमें आपके ग्राहक को जानिए (KYC) मामले भी शामिल हैं। वास्तव में, कुछ धोखाधड़ी दूसरों की तुलना में अधिक प्रचलित हो गई हैं, और उनके बारे में जागरूक होना स्वयं को बचाने की दिशा में पहला कदम है। धोखाधड़ी की रोकथाम, पता लगाने और जांच में लगी कंपनी Indiaforensic.com के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मयूर जोशी कहते हैं, "इन घोटालों के बारे में पढ़ना, सीखना आवश्यक है।" यहां कुछ ऐसे फ्रॉड, उनके तरीके और उनसे बचने के लिए आप क्या कर सकते हैं।

केवाईसी धोखाधड़ी:

महामारी के कारण, कई लोगों ने बैंक शाखाओं का दौरा करना बंद कर दिया, जिससे धोखेबाजों को बैंकर होने का नाटक करके ग्राहकों के साथ जुड़ने के लिए केवाईसी का उपयोग करने का अवसर मिला। रितेश भाटिया साइबर अपराध अन्वेषक, साइबर सुरक्षा और डेटा गोपनीयता सलाहकार, कहते हैं, "कार्यप्रणाली सरल है। आपको एक अवांछित एसएमएस मिलता है जिसमें कहा जाता है कि आपका कार्ड या खाता अवरुद्ध कर दिया जाएगा, या पुरस्कार अंक अक्षम कर दिए जाएंगे - जिस तरह का संदेश बनाता है ग्राहक में घबराहट। और वह ग्राहक स्वाभाविक रूप से एसएमएस पर प्रतिक्रिया करता है, संदेश की वैधता पर विचार किए बिना, "एक बार जब आप एसएमएस में उल्लिखित नंबर पर कॉल करते हैं, तो वे आपको केवाईसी सत्यापन के बहाने व्यक्तिगत विवरण के लिए लुभाते हैं। उदाहरण के लिए, आपसे खाता या लॉगिन विवरण, कार्ड की जानकारी, पिन, ओटीपी आदि के लिए कहा जाएगा। भाटिया कहते हैं, "वे आपसे रिमोट एक्सेस ऐप इंस्टॉल करने के लिए भी कह सकते हैं, जो उन्हें आपके मोबाइल तक पूरी पहुंच प्रदान करेगा।" जालसाज जल्दी से खाता खाली कर देता है, जबकि पीड़ित को खाते से डेबिट की गई राशि का एसएमएस मिलता रहता है।

क्या करें:

याद रखें कि केवाईसी अपडेट किसी थर्ड पार्टी ऐप के जरिए कभी नहीं होगा। भाटिया कहते हैं, "आपको बैंक या कार्ड जारीकर्ता से संपर्क करना चाहिए - एसएमएस में नंबर पर नहीं, बल्कि आपके कार्ड के पीछे वाले नंबर पर - या अपने बैंक ग्राहक सेवा को कॉल करें।" वेब-खोजों पर भी न जाएं, क्योंकि जालसाज बैंकों या यूपीआई प्लेटफॉर्म के फर्जी कस्टमर केयर नंबर भी ऑनलाइन फैला रहे हैं।

कैशे के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ) यश त्यागी कहते हैं, "बहुत सावधान रहें कि आप केवाईसी उद्देश्यों के लिए अपनी जानकारी या दस्तावेज़ किसे देते हैं, भले ही आप वेबसाइट पर ऐसा कर रहे हों। ऐसी कई धोखाधड़ी साइटें हैं जो इस तरह का डेटा एकत्र करती हैं। जालसाज केवाईसी डेटा की प्रतियां बना सकते हैं और इसका उपयोग कर सकते हैं ऋण के लिए आवेदन करें।" इसलिए आपको केवल

एसएमएस, कॉल या ईमेल से सावधान रहना चाहिए, बल्कि वेबसाइटों से भी सावधान रहना चाहिए।

सिम स्वैप फ्रॉड:

स्वैप का सीधा सा मतलब है एक चीज को दूसरे के लिए एक्सचेंज करना। मान लें कि आपके पास 3G सिम कार्ड है और आप 4G में अपग्रेड करना चाहते हैं। आप सेवा प्रदाता से 4जी सिम के लिए स्वैप 3जी सिम का अनुरोध करते हैं। यह एक प्रामाणिक सिम स्वैप है। यहां आप अपने सेवा प्रदाता से अनुरोध कर रहे हैं जो आपके पुराने सिम को निष्क्रिय कर देता है और आपको एक नया देता है, जो कुछ घंटों के भीतर सक्रिय हो जाता है। हमारे मोबाइल फोन संपर्क सूची, फोटो, ईमेल और एसएमएस से लेकर वित्तीय विवरण जैसे एटीएम निकासी अलर्ट और नेट बैंकिंग लेनदेन के लिए बैंकों द्वारा भेजे जाने वाले वन-टाइम पासवर्ड जैसी सूचनाओं से भरे हुए हैं। जोशी कहते हैं, "सिम स्वैप धोखाधड़ी एक बुरा सपना है जिसका कई मोबाइल धारकों को महामारी के दौरान सामना करना पड़ा। कई उपयोगकर्ताओं को संदेश प्राप्त करना शुरू कर दिया गया था कि उनका सिम कार्ड अवरुद्ध कर दिया गया है या सिम बदलने का अनुरोध प्राप्त हुआ है।"

जालसाज आपके सिम कार्ड को ब्लॉक करके और नकली के साथ एक्सचेंज करके आपके वित्तीय विवरण चुराने के लिए सिम स्वैप तकनीकों का उपयोग करते हैं। जोशी कहते हैं, "स्वैपस्टर सिम बदलने का अनुरोध करते हुए सेवा प्रदाता (असली कार्ड धारक के रूप में नकली कागजात के साथ) से संपर्क करते हैं। सत्यापन के बाद, सेवा प्रदाता पुराने सिम को निष्क्रिय कर देता है। जालसाजों को एक नया सक्रिय मोबाइल सिम कार्ड मिलता है। " इसका मतलब है कि एक बार सिम की अदला-बदली के बाद उन्हें आपके ओटीपी, वित्तीय खातों और कार्ड से संबंधित अलर्ट तक पहुंच प्राप्त हो जाती है, जिसका इस्तेमाल वे धोखाधड़ी करने के लिए करते थे।

किसी सेवा प्रदाता से संपर्क करने से पहले, धोखेबाज आमतौर पर अपने इच्छित शिकार के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए किसी न किसी रूप में सोशल इंजीनियरिंग में संलग्न होता है जिसका उपयोग पीड़ित के मोबाइल नंबर से संबंधित सुरक्षा प्रश्नों का उत्तर देने के लिए किया जा सकता है। जोशी आगे कहते हैं, "यह पीड़ित के सोशल मीडिया खातों पर शोध करके या अन्य सार्वजनिक स्रोतों से उनके बारे में जानकारी एकत्र करके किया जा सकता है। सिम स्वैप का प्रयास करने वाला व्यक्ति अन्य संवेदनशील जानकारी प्राप्त करने की उम्मीद में संभावित शिकार को फ़िशिंग ईमेल भी भेज सकता है। उसका मोबाइल फोन नंबर अनलॉक करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।" फ़िशिंग एक प्रकार की ई-मेल धोखाधड़ी तकनीक है जिसमें बदमाश आपकी व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी एकत्र करने के प्रयास में वास्तविक दिखने वाले ईमेल या वेबसाइट लिंक भेजता है।

क्या करें :

अपनी जानकारी किसी को न दें। यदि आप अपने सिम पर कोई सेवा नहीं देखते हैं, तो सेवा प्रदाता से जल्द से जल्द संपर्क करें। यदि आपका सिम आधी रात को निष्क्रिय कर दिया गया है, तो आप वास्तव में इसके बारे में बहुत कुछ नहीं कर सकते।

UPI से संबंधित धोखाधड़ी:

एकीकृत भुगतान इंटरफ़ेस (UPI) में एक विशेषता है जिसमें आप या व्यापारी उपयोगकर्ता को धन एकत्र करने का अनुरोध भेज सकते हैं। इस फीचर का इस्तेमाल धोखेबाज दूसरी शॉपिंग वेबसाइट्स पर कर रहे हैं। इन्फ्रासॉफ्टटेक के हेड, इनोवेशन एंड प्रोडक्ट डेवलपमेंट, मनोज चोपड़ा कहते हैं, "जब आप ऐसी साइट पर कोई आइटम बेचने की कोशिश करते हैं, तो धोखेबाज खरीदने में दिलचस्पी दिखाते हैं और पैसे भेजने के बजाय आपको एक कलेक्ट मनी रिक्वेस्ट भेजते हैं। याद रखें, आपको जरूरत नहीं है लेन-देन को अधिकृत करने के लिए यदि पैसा आपके खाते में स्थानांतरित किया जा रहा है, लेकिन धोखेबाज आपको विश्वास दिलाता है कि आप करते हैं और आप पिन साझा करना समाप्त कर देते हैं, और आपकी मेहनत की कमाई फिर से हो जाती है।"

आप क्या कर सकते हैं:

याद रखें कि जब आप अपने बैंक खाते में धन प्राप्त कर रहे हों तो आपको पिन या ओटीपी देने की आवश्यकता नहीं होती है। इसी तरह जब आप UPI में पैसे प्राप्त कर रहे हों तो आपको कोई पिन डालने की आवश्यकता नहीं है। अपने पिन के साथ ठीक उसी तरह व्यवहार करें जैसे आप अपने एटीएम पिन के साथ करते हैं। इसका खुलासा किसी को न करें।

ध्यान रखने योग्य बातें:

अधिक सतर्क रहने के अलावा, आप अपनी ओर से बहुत कम कर सकते हैं। लेकिन कुछ चीजें जो आपको करनी चाहिए, वे बहुत फर्क कर सकती हैं। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, फ़िशिंग के विरुद्ध बुनियादी ऑनलाइन सुरक्षा स्वच्छता का पालन करें। (बॉक्स देखें)। एआई-आधारित बैंकिंग वर्कफ़्लो ऑटोमेशन सॉल्यूशंस प्रदाता, साइनज़ी के सह-संस्थापक और सीईओ अंकित रतन कहते हैं, "उस सुविधा का उपयोग करें जो आपको अपने कार्ड और बचत खाते पर लेनदेन की सीमा निर्धारित और संशोधित करने की अनुमति देती है। इस तरह, आप सक्षम होंगे जोखिम को काफी कम करने के लिए।" आप सभी प्रकार के अनुवादों की सीमा निर्धारित कर सकते हैं - घरेलू, अंतर्राष्ट्रीय, पीओएस, एटीएम से निकासी और ऑनलाइन। बैंक आपको अपने डेबिट और क्रेडिट कार्ड को चालू और बंद करने की भी अनुमति देते हैं। मन की शांति की कल्पना करें जब आप किसी ऐसे कार्ड को अस्थायी रूप से बंद करते हैं जिसका आप उपयोग नहीं कर रहे हैं और एक सीमा निर्धारित करें जिसका आप उपयोग करते हैं। इस तरह कम से कम कुछ नुकसान शून्य के बगल में होगा।

जानें क्यों हाथ धोना है जरूरी, कोरोना ही नहीं, इन चार बीमारियों से भी होती है सुरक्षा

हमारे जीवन में कई ऐसी चीजें होती हैं, जिन्हें करना हमारे लिए बेहद जरूरी होता है। नहीं तो हम कई बीमारियों की चपेट में तक आ सकते हैं। जैसे- हमारा हाथ धोना। कोरोना काल में तो ये और भी जरूरी हो गया था, ताकि हम वायरस के कहर से बचे रहें। हाथ धोना क्यों जरूरी है, और इसके फायदे और महत्व को लेकर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से हर साल 15 अक्टूबर को विश्वभर में 'ग्लोबल हैंड वॉशिंग डे' यानि विश्व हस्त प्रक्षालन दिवस मनाया जाता है। इस बात से इंकार नही किया जा सकता कि हाथ के जरिए ही हम कई बीमारियों का शिकार होते हैं। कोरोना वायरस के अलावा भी कई ऐसी बीमारियां हैं, जो हमें हाथों के जरिए ही शिकार बना लेती है। ऐसे में हाथ धोना कितना जरूरी हो जाता है, ये समझना हमारे लिए जरूरी है। तो चलिए आपको इस बारे में बताते हैं।

इसलिए हाथ धोना जरूरी हैदरअसल, हाथ धोना बेहद जरूरी है। डॉक्टर क्षितिजा जाधव कहती हैं कि, अगर हाथों को न धोया जाए या ठीक तरह से न धोया जाए, तो व्यक्ति किसी वायरस या बैक्टीरिया के संपर्क में आ सकता है। इसके कारण हम

बीमार हो सकते हैं। इसलिए अगर हाथों को साफ करके धोया जाए, तो हम कई बीमारियों से बचे रह सकते हैं। हाथ धोने का ये है सही तरीकाहाथ धोना ही काफी नहीं है, बल्कि हाथो कों ठीक तरह से धोना जरूरी है। साबुन और पानी की मदद से हाथों को कम से कम 20 सेकंड तक धोना चाहिए। इसके बाद एक साफ कपड़े से हाथों को पोंछ लें। ऐसा करने से हाथों के जरिए फैलने वाली बीमारियों का खतरा लगभग न के बराबर हो जाता है।

इन चीजों के बाद हाथ जरूर धोएंये जानना भी जरूरी है कि हाथों को कब धोना चाहिए। दरअसल, खाना खाने से पहले और बाद में, टॉयलेट का इस्तेमाल करने के बाद, गमलों की सफाई करने के बाद, घर की सफाई करने के बाद, जानवरों को छूने के बाद हाथों को जरूर साफ करके धोना चाहिए।

हो सकती हैं ये बीमारियांअगर हाथों को न धोया जाए, तो हम कई बीमारियों के शिकार हो सकते हैं। इसमें कोरोना वायरस, पेट में कीड़े होना, हेपेटाइटिस ए, फूड प्वॉयजनिंग, हाथ, मुंह और पैरों से जुड़ी बीमरियां और फेफड़ों से जुड़ी बीमारियां शामिल है।

क्या आप भी हैं कान की खुजली से परेशान? तो इन बातों का रखें ध्यान, मिलेगा फायदा

अगर आपके घर में कोई बुजुर्ग हैं तो आपने उनको कई बार ये बोलते सुना होगा कि कान मत खुजाओ, बीमारी का संकेत है ये। छोटे बच्चों के बारे में तो कहा ही जाता है कि बच्चा कान खुजा रहा है और थोड़ी चिड़चिड़ाहट दिखा रहा है तो मतलब वो बीमार होने वाला है। 70 के दशक की संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर अभिनीत फ़िल्म 'मौसम' अगर आपने देखी होगी तो उसका वो सीन आपको याद होगा जहां हीरो के कान में खुजली करने पर हीरोइन तुरन्त टोकते हुए कहती है-'ऐसे मत कीजिये, जहरबाद हो जाएगा।' ये तो हुए फिल्मी अफसाने और दादी-नानी के जमाने के अंदाजे। लेकिन असल में कान की खुजली वाकई किसी समस्या का संकेत हो सकती है। यह खुजली उस आदत से अलग है जो आपने कई लोगों में देखी होगी। चाबी से लेकर सेफ्टीपिन और उंगली का का इस्तेमाल लोग कान की इस खुजली को मिटाने के लिए करते हैं और कब यह आदत में बदल जाती है पता नहीं चलता। कान में खुजली की कई वजहें हो सकती हैं। इनमें से कुछ बिल्कुल मामूली होती हैं जबकि कुछ के लिए इलाज की जरूरत भी पड़ सकती है। इसलिए इस खुजली को नजरअंदाज न करें। जानिए कब पड़ती है डॉक्टर से सलाह लेने की जरूरत। सबसे अधिक गौर करने वाली बात यह है कि

कान में जमा मैल को निकालने की कोशिश ही गलत है। पिछले कुछ सालों से विशेषज्ञ लगातार इस बात को लेकर आगाह कर रहे हैं कि कान में जमा वैक्स (मैल) को कुरेदने या निकालने के लिए की जाने वाली प्रक्रिया बिल्कुल गैरजरूरी है, जब तक कि सही में इसकी जरूरत न पड़े। बल्कि इससे उल्टा कान को गम्भीर नुकसान पहुंच सकता है। कान की अंदरूनी संरचना बहुत जटिल होती है और कानों में जमा वैक्स इस संरचना में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह कान की अंदरूनी बचाव परत जैसा होता है। इससे छेड़छाड़ करना मतलब कई बार उस परत को नुकसान पहुंचाने जैसा हो सकता है। यह परत असल में बाहर से आने वाली किसी भी नुकसानदेह चीज को कान के अंदर आने से रोकती है। गलत तरीके से कान को खुजाने पर कान के अंदर चोट लगने का डर तो होता ही है, इससे इयरवैक्स की परत अंदर की तरफ धंस सकती है और कान के भीतरी हिस्सों को नुकसान पहुंचा सकती है। इससे सुनाई देना भी कम हो सकता है। कान में लगातार होने वाली खुजली के पीछे बैक्टीरिया या वायरस की वजह से होने वाले इंफेक्शन, कानों में अंदर से रूखापन आ जाने, किसी प्रकार की फ़ूड एलर्जी, इयरवैक्स के ब्लॉकेज के कारण, हियरिंग एड की वजह से या फिर स्वीमर्स इयर यानी सामान्य भाषा मे कान में पानी चले जाने जैसी कोई वजह हो सकती है। इसलिए जरूरी है कि कान में लगातार होने वाली खुजली पर ध्यान दिया जाए। अगर लगातार कान में खुजली हो, तो इन बातों का ध्यान रखें:-* सबसे पहले तो खुजली हो या न हो, बेवजह कानों में कोई भी बाहरी चीज डालने से बचें। डॉक्टर्स मानते हैं कि ईयरवैक्स को भी ज्यादा साफ करने की जरूरत नहीं है। बार बार कान साफ करने से यह वैक्स कान के ज्यादा अंदर जा सकता है और तकलीफ दे सकता है।* जब भी कान साफ करना हो, ईयरबड्स का ही इस्तेमाल करें या किसी विशेषज्ञ से यह काम करवाएं। ईयरबड्स को कानों के अंदरूनी हिस्से में न ले जाएं क्योंकि यह हिस्सा थोड़े से भी गलत अंदाजे से चोटिल हो सकता है और आपके सुनने की क्षमता को नुकसान पहुंच सकता है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : सप्ताह शुभ है। सोचे हुए सभी काम सफलतापूर्वक संपन्न होने के योग हैं। बस आपको मेहनत से पीछे नहीं हटना है। रिश्तों को निभाने की पूरी कोशिश करें। इस सप्ताह कोई अपना आपकी किसी बात का बुरा मान सकता है। नौकरी और बिजनेस में अच्छा कर पाएंगे। आर्थिक स्थिति तेजी से मजबूती की ओर बढ़ रही है।

वृषभ : अति व्यस्तता और भागदौड़ वाला सप्ताह रहेगा लेकिन इससे आपको लाभ ही होगा। आपकी कार्यक्षमता बढ़ेगी और आप दूसरों की निगाह में सर्वश्रेष्ठ और मेहनती बनकर उभरेंगे। सप्ताह में पैसों की आवक भरपूर रहने से मन प्रसन्न रहेगा। विवादों से दूर रहने का प्रयास करें। परिवार में किसी से अनबन हो सकती है।

मिथुन : आर्थिक दृष्टि से सप्ताह अत्यंत लाभदायक है। पुराने निवेश से लाभ होगा। मौके का लाभ उठाने का प्रयास किया करें। किसी अपने के साथ मनोरंजक या धार्मिक स्थान की यात्रा करने का मौका मिलेगा। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। नौकरीपेशा और व्यापारियों को तरक्की के अवसर मिलेंगे। कार्यकुशलता से लाभ अर्जित करेंगे।

कर्क : किसी प्रियजन की बातों से कष्ट होगा। मानसिक अशांति महसूस होगी। अपने कार्यों को दूसरों के भरोसे छोड़ना छोड़ें और स्वयं कुछ करें। व्यापारियों को कार्य विस्तार के लिए कर्ज लेना पड़ सकता है। नौकरीपेशा को भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य नरम-गरम रह सकता है। प्रेम प्रकरणों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। वैवाहिक जीवन बेहतर रहेगा।

सिंह : पारिवारिक और सामाजिक जीवन में पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मान-सम्मान बना रहेगा। आपके निर्णय को सर्वत्र सराहना मिलेगी। इस सप्ताह आर्थिक दृष्टि से कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं। युवाओं को तरक्की के अनेक अवसर मिलेंगे। कार्यकुशलता से सभी का दिल जीत लेंगे। परिवार में कोई मांगलिक प्रसंग आएगा।

कन्या : कार्य के सिलसिले में दौड़भाग रहेगी लेकिन इसमें स्वयं के स्वास्थ्य का ध्यान रखना अत्यंत आवश्यक रहेगा। किसी भी बात को दिल से न लगाएं। परिवार के बड़े लोग कुछ कहें तो उनकी बातों का सम्मान करें। नौकरी में तरक्की के साथ स्थानांतरण के योग भी दिखाई दे रहे हैं। संतानपक्ष की ओर से कोई प्रफुल्लित करने वाला समाचार मिल सकता है।

तुला : भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। संसाधनों पर खर्च करेंगे। परिवार में मांगलिक और शुभ प्रसंग आएंगे। दूर देशों की यात्राएं करने के योग है। परिवार के साथ सुखद समय बिताएंगे। त्योहारों की व्यवस्तता रहेगी। घर में मेहमान आएंगे। माता-पिता के साथ किसी पर्यटन स्थल पर जा सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी।

वृश्चिक : मन प्रसन्न रहेगा। कोई लंबे समय से रूका हुआ काम पूरा होगा। नौकरी में तरक्की, बिजनेस में लगातार आगे बढ़ने के योग बन रहे हैं। मानसिक मजबूती रहेगी। किसी प्रियजन से भेंट हो सकती है। मानसिक अस्थिरता का दौर अब समाप्त होगा। नए कार्य की रूपरेखा बनेगी। निवेश से लाभ अर्जित करेंगे।

धनु : सप्ताह अनुकूल है। सोचे सभी कार्य आसानी से और बिना रूकावट के पूरे हो जाएंगे। नौकरी में स्थानांतरण के योग बन रहे हैं या कार्य में या जिम्मेदारियों में बदलाव के संकेत हैं। बिजनेस में अपडाउन बना रहेगा। कुछ नया सोचें और निवेश करें तो लाभ होगा। परिवार में किसी से मतभेद रहेगा। आपकी बातों को सराहना नहीं मिलने से मन खिन्न रहेगा।

मकर : इस सप्ताह आपके सारे काम पूरे हो जाएंगे लेकिन आपको आलस्य का त्याग करना होगा। काम को टालने की प्रवृत्ति आपको आगे नहीं बढ़ने दे रही है। दोस्तों, रिश्तेदारों से मेलजोल रखें, भविष्य में काम आएंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बने रहेंगे। धैर्य और संयम का शुभ परिणाम मिलने वाला है।

कुंभ : धन, सम्मान, सुख इस सप्ताह प्रमुखता से आपके पास आने वाले हैं। अवसर बेहतरीन आ रहे हैं, बस आपको उनमें से अपने लिए सर्वश्रेष्ठ का चयन करना होगा। नया काम प्रारंभ करने के लिए यही सही समय है। मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। संबंधों का लाभ उठाने का प्रयास करें। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मीन : पारिवारिक और सामाजिक जीवन में नवीन पद-प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। लोग आपकी बातों को सराहेंगे और आपके प्रति आकर्षित रहेंगे। आर्थिक लाभ के अवसर आएंगे। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। नौकरी और बिजनेस में लाभ मिलेंगे। नया कार्य प्रारंभ कर सकते हैं। तरक्की के अनेक अवसर मिलेंगे। माता-पिता का सुख और सहयोग प्राप्त रहेगा।

चुटकुले

शादीशुदा आदमियों के लिए एक मजेदार सुझाव
जब आपकी बीवी से लड़ाई हो जाए
और वो कई बार मनाने के बाद भी आपसे बात नहीं कर रही हो
तो रसोईघर में रखे डब्बों के ढक्कन
खूब ताकत लगाकर टाईट कर दें फिर देखिए असर

मोनू ने से सोनू बोला, 'अबे आज सुबह तेरी बिल्ली ने मेरी किताब फाड़ दी।
सोनू- रुक मैं उसे अभी सजा देता हूं।
मोनू- अरे भाई रहने दे, मैंने उसे पहले ही सजा दे दी है।
सोनू (हैरानी से बोलते हुए)- कैसे?
मोनू- मैंने उसके कटोरे का दूध पी लिया।

पालनपुर में नशीले पदार्थ के साथ चार गिरफ्तार

पालनपुर। गुजरात में बनासकांठा जिले के डीसा ग्रामीण क्षेत्र में 11 लाख रुपये कीमत के नशीले पदार्थ के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर टेटोडा गोशाला के निकट एक कार को सोमवार को रोक कर तलाशी ली गयी। इस दौरान कार से 117.570 ग्राम मेफेड्रोन नशीला पदार्थ जब्त कर लिया गया और कार से चार लोगों को पकड़ लिया गया। जब्त नशीले पदार्थ की कीमत 11,75,700 रुपये आंकी गयी है। पुलिस ने मामला दर्ज करके आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि नौ अक्टूबर की रात को भी राज्य के साबरकांठा जिले के हिम्मतनगर ए डिवीजन क्षेत्र में 34 लाख रुपये कीमत की 348.600 ग्राम एमडी नशीले पदार्थ के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया था।

गिरफ्तार: 10 माह के बच्चे को छोड़ भागने वाला पिता 3 दिन की पुलिस रिमांड पर

गांधीनगर। गांधीनगर पुलिस ने सोमवार को हीना हत्याकांड के आरोपी और 10 महीने के बच्चे के पिता सचिन दीक्षित को जिला सत्र अदालत में पेश किया, जहां से उसे तीन दिन के लिए पुलिस रिमांड में भेज दिया गया। दीक्षित को ट्रांजिट वारंट पर वडोदरा ले जाया जाएगा, क्योंकि वहां की पुलिस ने उस पर हीना उर्फ मेहंदी की हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने कहा कि उसके 10 महीने के बच्चे शिवांश की मां हीना के साथ विवाहेतर संबंध थे। पुलिस ने यह भी कहा कि वडोदरा में हीना की हत्या करने के बाद दीक्षित शुक्रवार को अपने 10 महीने के बेटे के साथ गांधीनगर आया था, जहां उसने उसे स्वामीनारायण गौशाला के द्वार पर छोड़ दिया। बच्चे की तस्वीरें वायरल हो गईं और लोगों में आक्रोश फैल गया। सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद पुलिस ने उस व्यक्ति की पहचान की और उसे राजस्थान में ढूंढ निकाला। रविवार को पता चला कि दीक्षित ने कुछ दिन पहले हीना की हत्या की थी और शव को एक बैग में पैक करके वडोदरा के जिस अपार्टमेंट में वे रहते थे, उसकी रसोई में रख दिया था। सचिन सप्ताह के दिनों में वहीं रहता था, और फिर सप्ताहांत में गांधीनगर में अपनी कानूनी पत्नी और चार साल के बेटे के साथ रहता था।

मांडवी में रास-गरबा की जगह चल रहा था जुआ, भाजपा नगरसेविका सहित 8 महिलाएं गिरफ्तार

पश्चिम कच्छ के दरिया किनारे के मांडवी शहर में बीती रात पुलिस ने भाजपा नगरसेविका सहित 8 महिलाओं को 51 हजार रुए नगद के साथ जुआं खेलते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। नवरात्रि में रास गरबा के बदले जुआं खेलते उच्च वर्ग की महिलाओं की गिरफ्तारी होने के बाद जिलेभर यह में चर्चा का विषय बना हुआ है। मांडवी शहर पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बाबावाडी विस्तार के सुमतीनाथ कॉम्पलेक्स के तीसरी मंजिल पर स्थित मकान में शाम 8 बजे के बाद पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की, जहां गंजीपाना 52 पत्तों के साथ तीन पत्ती का जुआं खेल रही हंसाबेन दिलीप ठक्कर, नगरसेविका क्रिष्णाबेन तरूण टोपराणी, प्रभाबेन सुंदरजी सलाट, मंजूलाबेन नारण वेकरिया, भारतीबेन भारत सलाट, वसुबा, रतनसिंह जड़ेजा, रामतभाई आदम केचा और हर्षिदाबेन संजय खत्री सहित महिलाओं को गिरफ्तार कर स्थल से 51 हजार नगद और 61 हजार रुपए के 5 मोबाइल जब्त किए गए है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में गिरफ्तार क्रिष्णाबेन टोपराणी भाजपा शासित नगरपालिका की चुनी हुई नगरसेविका है, फिलहाल पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। एक साथ उच्च वर्ग की 8 महिलाओं की गिरफ्तारी के बाद शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

एबीवीपी के आगे झुकी सरकार, उमरा थाने के PI-PSI का तबादला, दो कांस्टेबल सस्पेंड

यूनिवर्सिटी में गरबा रुकवाने गई पुलिस के साथ हुआ एबीवीपी का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। छात्र संगठन ने लगातार चा ैथे दिन भी विरोध प्रदर्शन जारी रखा। हालांकि चौथे दिन एबीवीपी के सामने सरकार को झुकना पड़ा। पुलिस कमिश्नर अजय तोमर ने उमरा थाने के पीआई, पीएसआई का तबादला कर दिया गया।

इसके अलावा दो कांस्टेबलों को सस्पेंड कर दिया गया। इससे पहले एबीवीपी के कार्यकर्ताअ ो ं ने गुरुवार सुबह से ही शहरभर में विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया था। वेसू, उधना, भटार, रांदेर में यूनिवर्सिटी और अलग-अलग कॉलेजों के बाहर सड़क जाम की। दिनभर प्रदर्शन चलता रहा। पुलिसकर्मियों को भी नहीं जाने दिया। रादेर में पुलिस ने एबीवीपी के शहर मंत्री की जमकर पिटाई की। एबीवीपी के छात्र संगठन ने गुरुवार को यूनिवर्सिटी के साथ डीआरबी कॉलेज, एचडी जैन कॉलेज, उधना सिटिजन कॉलेज, नवयुग कॉलेज, पीटी साइंस कॉलेज, एमटीबी कॉलेज, एसआरके कॉलेज और वीटी चा ैकसी कॉलेज सहित 10 कॉलेज बंद करवा दिए। गेट बंद करके छात्रों को बाहर ही रोक दिया गया। कई घंटे तक कॉलेज और यूनिवर्सिटी बंद रहे। बसें रोकीं, यात्रियों को पैदल जाना पड़ा एबीवीपी के कार्यकर्ताअं ने गुरुवार को यूनिवर्सिटी गेट से लेकर अणुव्रत द्वार तक सड़क जाम की। इसी तरह उधना, रांदेर और अन्य कई जगह चक्का जाम किया। सड़क को बैरिकेड कर कार्यकर्ता वहीं बैठ गए। उन्होंने लोगों को आने-जाने से रोका। कई घंटे तक बीआरटीएस की बस खड़ी रही। यात्रियों को दूसरे वाहन से या पैदल जाना पड़ा। पुलिसकर्मियों को भी रोककर उनके खिलाफ नारेबाजी की। गनीमत रही कि उन्होंने एंबुलेंस और महिलाओं को आने-जाने दिया। प्रदर्शन के दौरान उमरा पुलिस नहीं आई। पुलिस कमिश्नर अजय तोमर ने गुरुवार को उमरा थाने के इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर का ट्रांसफर कर दिया, जबकि दो कांस्टेबलों को सस्पेंड कर दिया। तोमर ने बताया कि पुलिस इंस्पेक्टर केआई मोदी को स्पेशल ब्रांच में ट्रांसफर कर दिया गया है।

सूरत-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोले- बापू ने रामराज्य के आदर्शों पर चलने वाले समाज की कल्पना की थी

सूरत। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, सौराष्ट्र पटेल सेवा समाज द्वारा आज विजयादशमी को एक पुण्य कार्य का शुभारंभ हो रहा है। मैं आप सभी को और पूरे देश को विजयादशमी की हार्दिक बधाई देता हूं। भगवान राम के अनुसरण का अर्थ है- मानवता का और ज्ञान का अनुसरण। इसलिए गुजरात की धरती से बापू ने रामराज्य के आदर्शों पर चलने वाले समाज की कल्पना की थी। मुझे खुशी है कि गुजरात के लोग उन मूल्यों को मजबूती से आगे बढ़ा रहे हैं। सौराष्ट्र पटेल सेवा समाज द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में आज की गई ये पहल भी इसी कड़ी का एक हिस्सा है। पीएम मोदी ने कहा, सरदार साहब ने कहा था- "जाति और पंथ को हमें रुकावट नहीं बनने देना है। हम सभी भारत के बेटे और बेटियां हैं। हम सभी को अपने देश से प्रेम करना चाहिए, परस्पर स्नेह और सहयोग से अपना भाग्य बनाना चाहिए। हम खुद इसके साक्षी हैं कि सरदार साहब की इन भावनाओं को गुजरात ने किस तरह हमेशा मजबूती दी है। राष्ट्र प्रथम सरदार साहब की संतानों का जीवन मंत्र है। भारत इस समय अपनी आजादी के 75वें वर्ष में है। ये अमृतकाल हमें नए संकल्पों के साथ ही, उन व्यक्तित्वों को याद करने की भी प्रेरणा देता है, जिन्होंने जनचेतना जागृत करने में बड़ी भूमिका निभाई। आज की पीढ़ी

को उनके बारे में जानना बहुत आवश्यक। पीएम मोदी ने कहा, आप में से काफी लोगों को पता होगा, ये स्थान, करमसद-बाकरोल और आनंद के बीच में पड़ता है। इस स्थान को इसलिए विकसित किया गया था ताकि शिक्षा का प्रसार किया जा सके, गांव के विकास से जुड़े कामों में तेजी लाई जा सके। आप सब के आशीर्वाद से मुझ जैसे अत्यंत सामान्य व्यक्ति को, जिसका कोई पारिवारिक या राजनीतिक बैकग्राउंड नहीं था, जिसके पास जातिवादी राजनीति का कोई आधार नहीं था। ऐसे मुझ जैसे सामान्य व्यक्ति को आपने आशीर्वाद देकर 2001 में गुजरात की सेवा का मौका दिया था।

पीएम मोदी ने कहा, आपके आशीर्वाद की ताकत इतनी बड़ी है कि आज 20 वर्ष से ज्यादा का समय हो गया फिर भी अखंड रूप से पहले गुजरात की और आज पूरे देश की सेवा करने का सौभाग्य मिला है। 'सबका साथ, सबका विकास' का सामर्थ्य क्या होता है ये भी मैंने गुजरात से ही सीखा है।एक समय गुजरात में अच्छे स्कूलों की कमी थी, अच्छी शिक्षा के लिए शिक्षकों की कमी थी।

उमिया माता का आशीर्वाद लेकर, खोड़ल धाम के दर्शन करके मैंने इस समस्या के समाधान के लिए लोगों को अपने साथ जोड़ा। पीएम मोदी ने कहा, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में प्रोफेशनल कोर्सेस की पढ़ाई स्थानीय भाषा में कराए जाने का विकल्प भी दिया गया है। अब पढ़ाई का मतलब डिग्री तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पढ़ाई को स्किल के साथ जोड़ा जा रहा है। देश अपने पारंपरिक स्किल्स को भी अब आधुनिक संभावनाओं से जोड़ रहा है। कोरोना के कठिन समय के बाद हमारी अर्थव्यवस्था ने जितनी तेजी से वापसी की है, उससे पूरा विश्व भारत को लेकर आशा से भरा हुआ है। अभी हाल में एक विश्व संस्था ने भी कहा है कि भारत फिर दुनिया की सबसे तेजी से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है।हमारी नई पीढ़ी देश और समाज के लिए जीना सीखे, इसकी प्रेरणा भी आपके प्रयासों का अहम हिस्सा होना चाहिए।सेवा से सिद्धि के मंत्र पर चलते हुए हम गुजरात और देश को नई ऊंचाई पर पहुंचाएंगे।

गुजरात के ग्रामीण क्षेत्र में कोरोना का कहर, सरकारी स्कूल के तीन छात्र संक्रमित

जूनागढ़। गुजरात में जूनागढ़ जिले के केशोद तालुक़ा के मेसवान गांव में एक सरकारी स्कूल के तीन छात्रों को कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद इसे बंद कर इसके सभी छात्रों की जांच की जा रही है। तालुक़ा स्वास्थ्य केंद्र के आधिकारिक सूत्रों ने आज बताया कि गुजरात में पिछले क़रीब चार माह से कोरोना के नए मामलों में ख़ासी कमी के बीच कक्षा एक से सात तक के इस स्कूल के कक्षा छह और सात के तीन छात्रों की जांच रिपोर्ट कल पॉज़िटिव आयी थी। स्कूल के सभी क़रीब पौने तीन सौ छात्रों और शिक्षकों की जांच की जा रही है और इसे अगले कुछ दिनो के लिए एहतियाती तौर पर बंद कर दिया गया है। गांव के लोग भी एहतियाती क़दम उठा रहे हैं। तीनो छात्रों का उनके घर पर ही क्वारंटाइन कर इलाज किया जा रहा है। ज्ञातव्य है कि राज्य सरकार ने पिछले माह ही कक्षा छह से आठ तक की ऑफ़लाइन पढ़ाई की इजाज़त दी थी। पिछले कई दिनो से राज्य में कुल 25 से भी कम नए मामले दर्ज हो रहे हैं। समझा जाता है कि दिवाली के बाद राज्य सरकार कक्षा एक से पांच तक की भी ऑफ़लाइन पढ़ाई की इजाज़त दे सकती है।

एसबी एनर्जी इंडिया-अडानी ग्रीन एनर्जी ने भारत का सबसे बड़ा नवीकरणीय एम एंड ए सौदा तय किया

अहमदाबाद। अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने एसबी एनर्जी होल्डिंग्स लिमिटेड (एसबी एनर्जी इंडिया) का अधिग्रहण एक नकद सौदे में पूरा कर लिया है, जिसके लिए 18 मई, 2021 को निश्चित समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए थे। इस सौदे के साथ, एसबी एनर्जी इंडिया अब एजीईएल की 100 प्रतिशत सहायक कंपनी है। इससे पहले, यह जापान स्थित सॉफ्टबैंक ग्रुप कॉर्प और भारती समूह के बीच 80:20 का संयुक्त उद्यम था।

लेन-देन एसबी एनर्जी इंडिया को 3.5 अरब अमरीकी डालर (26,000 करोड़ रुपये) के उद्यम मूल्यांकन पर रखता है और भारत में अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में सबसे बड़ा अधिग्रहण है। पिछले हफ्ते ही, अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने घोषणा की थी कि समूह अगले 10 वर्षों में अक्षय ऊर्जा उत्पादन में 20 अरब डॉलर से अधिक का निवेश करेगा।

एजीईएल के एमडी और सीईओ, विनीत एस जैन ने कहा, यह लेनदेन हमें नवीकरणीय ऊर्जा में वैश्विक नेता बनने के करीब ले जाता है। एसबी एनर्जी इंडिया की ओर से इन उच्च-गुणवत्ता वाली बड़ी उपयोगिता-पैमाने की संपत्तियों को जोड़ने से कार्बन तटस्थ भविष्य की ओर संक्रमण के लिए भारत के प्रयासों में तेजी लाने के लिए अदानी ग्रीन एनर्जी के इरादे का प्रदर्शन है।

हमारी अक्षय ऊर्जा नींव नए उद्योगों के पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को सक्षम करेगी जिसकी उम्मीद कई क्षेत्रों में रोजगार सृजन को उत्प्रेरित करने के लिए की जा सकती है। एसबी एनर्जी इंडिया के पास अपने एसपीवी के माध्यम से भारत के चार राज्यों में 5 गीगावॉट अक्षय संपत्तियां हैं। पोर्टफोलियो में 1,700 मेगावाट की परिचालन नवीकरणीय

संपत्ति, 2,554 मेगावाट की निमार्णाधीन संपत्ति और 700 मेगावाट की संपत्ति निमार्णाधीन है। पोर्टफोलियो में सौर क्षमता का 84 प्रतिशत (4,180 मेगावाट), पवन-सौर हाइब्रिड क्षमता का 9 प्रतिशत (450 मेगावाट) और पवन क्षमता का 7 प्रतिशत (324 मेगावाट) का योगदान है। 330 मेगावाट के औसत परियोजना आकार के साथ 15 परियोजनाओं में विभाजित, यह भारत के उच्चतम गुणवत्ता वाले नवीकरणीय पोर्टफोलियो में से एक है, जिसमें कई संपत्तियां सौर पार्क आधारित परियोजनाएं हैं और सर्वोत्तम-इन-क्लास शासन, परियोजना विकास, निर्माण और संचालन और रखरखाव मानकों का उपयोग करके बनाई गई हैं।

मूल्य अभिवृद्धि अधिग्रहण एजीईएल के परिचालन पोर्टफोलियो को 5.4 गीगावॉट और इसके समग्र पोर्टफोलियो को 19.8 गीगावॉट तक बढ़ाता है, जिसका मतलब है कि 4 एक्स विकास लॉक-इन 19.8 गीगावाट के अपने समग्र पोर्टफोलियो के लिए एजीईएल के प्रतिपक्ष मिश्रण को 87 प्रतिशत सॉवरेन रेटेड समकक्षों के साथ और मजबूत किया गया है।

राहत की खबर-555 दिनों में पहली बार अहमदाबाद स्थित एशिया का सबसे बड़ा सिविल अस्पताल कोरोना महामारी से हुआ मुक्त

एशिया के सबसे बड़े अहमदाबाद स्थित सिविल अस्पताल में कोरोना महामारी के बाद से पहली बार गुरुवार को कोरोना का एक भी मरीज भर्ती नहीं रहा। सिविल मेडिसिटी के 1200 बेड अस्पताल में अब तक इस महामारी के 45000 से अधिक मरीज भर्ती हो चुके हैं।

सिविल अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राकेश जोशी ने बताया कि कोरोना काल के 555 दिन में गुरुवार को 1200 बेड हॉस्पिटल कोरोना से मुक्त हो गया। अस्पताल में एक भी मरीज शेष नहीं रहा। उन्होंने कहा कि

गुरुवार दोपहर को कोरोना के अंतिम मरीज को डिस्चार्ज कर दिया गया। इस अस्पताल में कोरोना काल के दौरान एक लाख से अधिक लोग कोरोना की ओपीडी में आ चुके हैं और लगभग 45000 मरीजों को भर्ती भी किया गया था। उन्होंने कहा कि कोरोना की स्थिति सुधरने से गत तीन माह में यहां कोरोना के शंकास्पद मरीज ही थे। लेकिन गुरुवार को एक भी मरीज यहां भर्ती नहीं रहा। अप्रेल और मई महीने में बेड भी उपलब्ध नहीं थे

डॉ. जोशी ने बताया कि अस्पताल में भले ही कोरोना का एक भी मरीज नहीं रहा है, लेकिन सतर्कता की दृष्टि से 1200 बेड में से 200 बेड आरक्षित रखे गए हैं। गौरतलब है कि गत अप्रेल और मई महीने में अस्पताल में बेड भी उपलब्ध नहीं थे, लेकिन फिलहाल स्थिति में सुधार है। हालांकि उन्होंने कहा कि मरीज अभी भी आ सकते हैं उसके लिए बेड आरक्षित रखे गए हैं। इस अस्पताल में पिछले दिनों महिला एवं बाल रोग विभाग की सेवाएं बहाल कर दी गईं थीं। यदि कोरोना के मरीज आएंगे तो उनके लिए अलग से बेड रिजर्व रखे गए हैं।

राजकोट में पीपीई किट पहनकर खेला गया गरबा, वीडियो हुआ वायरल; सोशल मीडिया पर हो रही तारीफ

नवरात्र में गुजरात की छटा ही अनोखी होती है। नवरात्रि के मौके पर लोग माता की अराधना के साथ जमकर गरबा खेलते हैं। गुजरात में हर साल बड़े ही धूमधाम से नवरात्र का पर्व मनाया जाता है। इस दौरान बड़े स्तर पर गरबा का आयोजन भी किया जाता है। राजकोट में भी गरबा का आयोजन किया जा रहा है। इस बीच यहां कुछ छात्राओं ने पीपीई किट में गरबा किया। छात्राओं का ये वीडियो जमकर वायरल हुआ। नेटिजन्स इसपर पॉजिटिव और निगेटिव रिएक्शन दे रहे हैं। गरबा की आयोजक रक्षाबेन बोरिया ने कहा कि "इस गरबा का उद्देश्य कोविड-19 के बारे में जनता में जागरूकता फैलाना है।" गरबे के गीत पर सभी छात्राओं ने शानदार प्रस्तुति दी है। वहां खड़े लोगों ने तालियों से उनका अभिनंदन किया।

BSF के अधिकार बढ़ने पर पंजाब में सियासत-केंद्र के फैसले पर कांग्रेस और अकाली दल को आपत्ति, लेकिन कैप्टन सहमत; कहा- कश्मीर में हमारे जवान मारे जा रहे हैं

केंद्र ने आतंकवाद और सीमा पार से अपराधों पर लगाम लगाने के मकसद से सीमा सुरक्षा बल (BSF) का अधिकार क्षेत्र बढ़ा दिया है। B S F अब पाकिस्तान और बांग्लादेश से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर भारतीय क्षेत्र के अंदर 50 किमी तक तलाशी अभियान चला सकेगी। साथ ही संदिग्धों को गिरफ्तार करने और संदिग्ध सामग्री को जब्त करने का भी अधिकार होगा। इसके लिए उसे किसी प्रशासनिक अधिकारी से परमिशन लेने की जरूरत नहीं होगी। केंद्र के इस फैसले पर पंजाब में सियासत गर्मा गई है, जहां BSF को पहले 15 किमी तक ही तलाशी का अधिकार था। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा है कि BSF को आंतरिक क्षेत्र में आकर पुलिस की तरह कार्रवाई की इजाजत देना संविधान के संघीय ढांचे के खिलाफ है। वहीं अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने इस मामले में केंद्र और पंजाब सरकार की मिलीभगत का आरोप लगाया है।

बादल ने कहा है कि इस बात की संभावना बहुत कम है कि केंद्र ने राज्य सरकार को भरोसे में लिए बगैर इतना बड़ा फैसला लिया हो। चन्नी और उनके साथी अब सिर्फ इसलिए शोर कर रहे हैं, ताकि अपनी मिलीभगत को छिपा सकें।

वहीं पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने केंद्रीय गृह मंत्रालय के फैसले का स्वागत किया है। उनका कहना है कि कश्मीर में हमारे जवान मारे जा रहे हैं। पाक समर्थित आतंकी पंजाब में भारी संख्या में ड्रग्स और हथियार भेज रहे हैं। ऐसे में BSF की मौजूदगी और ताकत बढ़ने से हम मजबूत होंगे। केंद्रीय सुरक्षाबलों को राजनीति में न घसीटें। केंद्रीय गृह मंत्रालय के नए आदेश में क्या है ? गृह मंत्रालय ने यह फैसला BSF एक्ट 1968 की धारा 139 (1) के तहत किए प्रावधानों के आधार पर किया है।

इसके दायरे में गुजरात, राजस्थान, पंजाब, पश्चिम बंगाल, असम, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, नगालैंड और मेघालय, केंद्रशासित जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के सीमावर्ती इलाके आएंगे। पंजाब, पश्चिम बंगाल और असम राज्यों में पहले यह दायरा सीमा से 15 किमी तक ही था। अब इसे 50 किमी कर दिया गया है। गुजरात में यह दायरा 80

खेल जगत

हार्दिक पांड्या नहीं करेंगे गेंदबाजी! धोनी की तरह इस भूमिका में करेंगे टीम की नैया पार

आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप के शुरू होने में अब गिनती के सिर्फ कुछ ही दिन बाकी हैं। बीसीसीआई ने इसके लिए अपने स्क्वॉड की फाइनल सूची आईसीसी को दे दी है। भारतीय बोर्ड ने पिछले स्क्वॉड में सिर्फ एक फेरबदल करते हुए शार्दुल ठाकुर को रिजर्व खिलाड़ी से निकालकर मुख्य टीम में शामिल किया जबकि अक्षर पटेल को रिजर्व खिलाड़ी बनाया गया। हालांकि आईपीएल के मौजूदा प्रदर्शन को देखते हुए यह उम्मीद की जा रही थी कि हार्दिक पांड्या समेत कुछ अन्य खिलाड़ियों पर भी गाज गिर सकती है लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हार्दिक पांड्या लंबे समय से अपनी चोट से जूझ रहे हैं। आईपीएल 2020 के बाद इस सीजन में भी उन्होंने गेंदबाजी नहीं की और बतौर बल्लेबाज ही मैच में उतरे। वर्ल्ड कप के लिए हालांकि उन्हें बतौर ऑलराउंडर चुना गया है लेकिन उनकी मौजूदा फॉर्म और स्थिति को देखते हुए उनके प्लेइंग XI में जगह बनाने पर संशय बरकरार है। इस बीच समाचार एजेंसी एएनआई ने हार्दिक को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है।

फिनिशर की भूमिका में रहेंगे हार्दिकएएनआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि हार्दिक गेंदबाजी के लिए पूरी तरह से फिट नहीं हैं और ऐसे में वह वर्ल्ड कप में फिनिशर की भूमिका निभाएंगे। हम उनकी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं लेकिन फिलहाल हम उन्हें बल्लेबाज के रूप में देख रहे हैं जो आए और मैच को खत्म करे, जैसे धोनी करते थे। हार्दिक क्यों नहीं कर रहे गेंदबाजीभारतीय टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या की 2019 में पीठ की सर्जरी हुई थी। उन्हें 2018 में एशिया कप के दौरान पीठ में चोट लगी थी। हालांकि इसके बाद उन्होंने 2019 विश्व कप में थोड़ी बहुत गेंदबाजी की थी। वर्ल्ड कप के बाद हार्दिक ने ब्रिटेन में अपना इलाज कराया और उबरने की कोशिश में लग गए। लेकिन इससे पहले कि वह ठीक हो पाते, उन्हें 2020 में कंधे में चोट लग गई, जिसके बाद उन्होंने गेंदबाजी बंद कर दी। हार्दिक का मौजूदा फॉर्म निराशाजनक टीम इंडिया के ऑलराउंडर का फॉर्म पिछले कुछ समय से बहुत ही खराब रहा है।

हार्दिक ने आईपीएल के मौजूदा सीजन के 12 मैचों में 14.11 के मामूली औसत से सिर्फ 112 रन बनाए हैं। जबकि गेंदबाजी में उन्होंने एक भी ओवर नहीं डाला है।

खिताबी मुकाबले में धोनी रचेंगे इतिहास, टी-20 क्रिकेट में तिहरा शतक जड़ने उतरेंगे कैप्टन कूल

चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के लिए आज का मैच काफी अहम है। कोलाकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेले जाने वाले फाइनल मैच के दौरान जब वह मैदान पर उतरेंगे तो एक खास रिकॉर्ड उनके नाम दर्ज हो जाएगा। आज वह टी-20 क्रिकेट में 300वें मैच में कप्तानी करते नजर आएंगे। धोनी 2007 से लेकर अब तक भारतीय क्रिकेट टीम, चेन्नई सुपर किंग्स, इंडियंस, राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स समेत चार टीम की कप्तानी कर चुके हैं। वह बतौर कप्तान अब तक 299 मैच खेल चुके हैं। टी-20 में कप्तान के रूप में आज उनका 300वां मैच होगा। इस तरह वह 300 टी-20 मैचों में कप्तानी करने वाले दुनिया के इकलौते कप्तान बन जाएंगे। टी-20 कप्तान के रूप में धोनीमहेंद्र सिंह धोनी ने टी-20 कप्तान के रूप में 299 मैच खेले हैं। जिनमें उन्होंने 176 मैच जीते और 118 मुकाबले हारे हैं। इस दौरान दो मैच टाई रहे जबकि, तीन मैचों का रिजल्ट नहीं निकला। उन्होंने अपनी कप्तानी में

59.79 फीसदी मैच जीते हैं। धोनी के बाद टी-20 मैचों में सबसे ज्यादा कप्तानी करने के मामले में डैरेन सैमी का नाम आता है। वह 208 मैचों में टीम के कप्तान रहे। जबकि, विराट कोहली इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। वह 185 टी-20 मुकाबलों में कप्तानी कर चुके हैं। चौथे और पांचवें नंबर पर हैं गंभीर-रोहितसबसे ज्यादा टी-2 मैचों में कप्तानी के आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो गौतम गंभीर चौथे स्थान पर हैं। उन्होंने 170 टी-20 मैचों में कप्तानी की। जबकि रोहित शर्मा 153 टी-20 मुकाबलों में अब तक कप्तानी कर चुके हैं। वहीं, अगर विनिंग प्रतिशत की बात की जाए तो रोहित शर्मा अव्वल हैं। हिटमैन का विनिंग प्रतिशत 62.74 रहा है। धोनी की कप्तानी में सीएसके आज अपना नौंवा फाइनल खेलेगा।

भारत के खिलाफ मैच से पहले पाकिस्तान का गेम प्लान, इस बल्लेबाज के साथ ओपनिंग करेंगे बाबर आजम

टी-20 विश्व कप में अब बस कुछ ही दिनों का वक्त रह गया है। इससे पहले सभी टीमें अपनी तैयारियों में जुट गई हैं। कई टीमों ने गेम प्लान बनाना शुरू कर दिया है। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत पाकिस्तान के खिलाफ करेगा। यह मैच 24 अक्तूबर को दुबई क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच से पहले पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने माइंड गेम खेलना शुरू कर दिया है। बाबर ने कहा है कि भारत के खिलाफ पहले मैच में वह उपकप्तान मोहम्मद रिजवान के साथ ओपनिंग के लिए उतरेंगे। बाबर ने कहा- हमारा मनोबल ऊंचा है और हम भारत के खिलाफ पहला मैच जीतकर टूर्नामेंट की सकारात्मक शुरुआत करना चाहते हैं। टूर्नामेंट की शुरुआत में लय हासिल करने से टीम का आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद मिलेगी। मैं विश्व कप के दौरान रिजवान के साथ पारी की शुरुआत करूंगा, लेकिन हम परिस्थितियों को देखकर अपनी योजना बदल सकते हैं। मोहम्मद हफीज और शोएब मलिक मैच विजेता हैं और उनका अनुभव हमें मैदान पर मदद करेगा। पाकिस्तान टीम अब तक किसी भी विश्व कप में भारतीय टीम को नहीं हरा सकी है। भारतीय टीम इसी का फायदा उठाना चाहेगी। ग्रुप-2 में भारत, पाकिस्तान के अलावा न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान और दो क्वालिफाइंग टीमें हैं। टीम इंडिया में मौजूद खिलाड़ियों को भी अब यूएई में खेलने का शानदार अनुभव हो गया है। सभी

खिलाड़ी फिलहाल यूएई में ही आईपीएल खेल रहे थे। ऐसे में पाकिस्तान के लिए यह मैच आसान नहीं रहने वाला है।भारत और पाकिस्तान के बीच अब तक विश्व कप में 12 मुकाबले हुए हैं। सभी 12 मैचों में टीम इंडिया ने ही जीत दर्ज की है।

देश परदेश

छोड़ी नागरिकता-पुतिन राज में 50 लाख लोग छोड़ गए रूस, आबादी घटने की समस्या से परेशान है देश

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के पिछले 20 साल के शासनकाल में 50 लाख रूसी देश छोड़ कर बाहर चले गए हैं। मास्को स्थित पोर्टल टाकी डेला के एक अध्ययन से ये बात सामने आई है।

ये अध्ययन रूस की सरकारी सांख्यिकी एजेंसी रोसस्टैट के आंकड़ों के आधार पर किया गया। अध्ययनकर्ताओं के मुताबिक कम से कम 50 लाख लोगों ने रूसी नागरिकता छोड़ी, इस बात के सबूत हैं। लेकिन यह असली संख्या नहीं है। असल कितने लोग देश छोड़ गए, उसकी कोई पक्की जानकारी मौजूद नहीं है।लेकिन कुछ विश्लेषकों का कहना है कि ताजा अध्ययन से सामने आई जानकारी चिंता का पहलू नहीं है। अमेरिकी थिंक टैंक कारनेगी की रूसी शाखा-कारनेगी मॉस्को सेंटर से जुड़े विश्लेषक आंद्रेई कोलेशिनिकोव ने यहां के अखबार द मॉस्को टाइम्स से कहा- 'जो संख्या बताई गई है, वह असलियत से ज्यादा है। इसमें उन रूसी नागरिकों को भी शामिल किया गया है, जो विदेशों में रहते हैं या जिन्होंने विदेशों में जायदाद खरीद ली है।' कोलेशिनिकोव ने कहा कि राजनीतिक कारणों से देश से बाहर जाने वालों और अधिक उपभोग की संभावना के कारण बाहर जाने वालों के बीच फर्क किया जाना चाहिए।जानकारों का कहना है कि रूस से लोगों के बाहर जाकर बसने का ट्रेंड सोवियत संघ के जमाने में ही शुरू हो गया था।

तब लोग अधिक समृद्ध जिंदगी की तलाश में पश्चिमी देशों में जाते थे। सोवियत संघ के विघटन के बाद 1990 के दशक में ये ट्रेंड और बढ़ गया।

लेकिन ताजा अध्ययन रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल के वर्षों में सबसे ज्यादा संख्या में रूसी 2016 से 2019 के बीच देश से बाहर गए। इस बीच तीन लाख लोग विदेश जाकर बसे। टाकी टेला ने संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के आधार पर बताया है कि फिलहाल एक करोड़ से अधिक रूसी विदेशों में रह रहे हैं। इससे ज्यादा बड़ी संख्या में सिर्फ भारत और मेक्सिको के लोग विदेशों में हैं।विश्लेषकों ने कहा है कि इस समय रूस सरकार देश की आबादी बढ़ाने की नीति पर चल रही है। इसके लिए दंपतियों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। रूस में जनसंख्या रिप्लेसमेंट दर 1990 के दशक में ही उस सीमा से नीचे चली गई थी, जिसके बाद असल में आबादी घटने लगती है। जब रूस इस चुनौती का सामना कर रहा है, वैसे मौके पर बड़ी संख्या में रूसियों का विदेश जाकर बसना सरकार के लिए चिंता का विषय है।इस साल अप्रैल में राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था- 'रूसी लोगों को अपने देश में बनाए रखना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।' लेकिन थिंक टैंक लेवाडा के एक सर्वे से कुछ समय पहले ये सामने आया था कि कोरोना महामारी से बढ़ी दिक्कतों के बीच अब रिकॉर्ड संख्या में रूसी विदेश जाकर बसने की इच्छा जता रहे हैं। सर्वे के मुताबिक अब रूस के 20 फीसदी नागरिक ऐसी इच्छा रखते हैं।

चीन का मजाक, पाकिस्तान को भेज दिए 'बिना गांरटी' वाले घटिया ड्रोन, कुछ महीनों में ही हो गए फुस्स

चीनी सामान की कोई गारंटी नहीं होती। जब तक चले तब तक तो ठीक है, लेकिन खराब हुआ तो कबाड़ी भी उसे नहीं लेता। चीन ने ऐसे ही अपने कुछ आधुनिक सैन्य हथियार पाकिस्तानी आर्मी को सप्लाई किए थे, लेकिन बेहद ही खराब और घटिया सर्विसिंग के कारण उसके रखरखाव में पाकिस्तानी आर्मी को परेशानी हो रही है। पाकिस्तानी आर्मी को यह नागवार गुजर रहा है और अब इस कारण अब दोनों देशों की दोस्ती में भी दरार आ रही है। कुछ ही दिन में बंद हो गए चीनी ड्रोनअल मायादीन के एक ब्लॉग में बताया गया है कि पाकिस्तान इस समय अपनी सैन्य क्षमताओं को बढ़ावा दे रहा है।

इसी के तहत उसने चीन से मानव रहित लड़ाके हवाई वाहनों की खरीद की थी। चीन के चेंगदू एयरक्राफ्ट इंडस्ट्री ने पाकिस्तान को तीन सशस्त्र ड्रोन जनवरी 2021 में दिए थे, जिन्हें पाकिस्तानी वायु सेना में शामिल किया गया था, लेकिन कुछ ही दिनों बाद इन ड्रोन में खराबी आ गई और अंतत: इन्हें वायु सेना के बेड़े से बाहर कर दिया गया और

इनका इस्तेमाल बंद हो गया। रिपोर्ट में ड्रोन की खरीद को पाकिस्तानी आर्मी का एक बुरा सपना बताया गया है।

सीएटीआईसी ने साधी चुप्पीचीनी ड्रोन के बेचने वाली चाइना नेशनल एयरो-टेक्नोलॉजी इंपोर्ट एंड एक्पोर्ट कार्पोरेशन ने इस मुद्दे पर चुप्पी साध ली है।

यहां तक कि पाकिस्तानी आर्मी की ओर से भेजे गए इंजनीयरों को भी नाकाबिल बता दिया गया। इसके बाद पाकिस्तानी अधिकारियों ने ड्रोन को सही करने के लिए चीनी दल भेजने की मांग की है। हालांकि, अभी तक चीन की ओर से इस विषय में कोई प्रतिक्रिया आई है।

घटिया उपकरणों का हुआ था इस्तेमाल अल मायादीन ने बताया कि चीन की ओर से पाकिस्तानी आर्मी को जो ड्रोन भेजे गए थे।

उसके पुर्जे घटिया थे और उपयोग के लिए उपयुक्त नहीं थे। इसके अलावा सबसे बड़ी समस्या यह है कि इनसे ईंधन का रिसाव हो रहा है।

अमेरिका-पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की तबीयत बिगड़ी, ब्लड इंफेक्शन होने की वजह से अस्पताल में भर्ती

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। क्लिंटन को यूरिन संक्रमण होने की वजह से कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय इरविन मेडिकल सेंटर के आईसीयू में भर्ती कराया गया है।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की तबीयत बिगड़ने के बाद कैलिफोर्निया के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

खून में इंफेक्शन होने की वजह से उन्हें गुरुवार को अस्पताल में दाखिल करवाया गया। क्लिंटन को यूरिन संक्रमण होने की वजह से कैलिफोर्निया मेडिकल विवि इरविन मेडिकल सेंटर के आईसीयू में उन्हें भर्ती कराया गया है।

हालांकि, डॉक्टरों ने बताया कि उनकी हालत स्थिर है और हार्ट अटैक या कोविड से जुड़ी कोई समस्या नहीं है। बिल क्लिंटन की निजी डॉक्टर लिसा बार्डैंक ने कहा कि क्लिंटन गोपनीयता और सुरक्षा के लिए आईसीयू में थे।

वो फिलहाल ठीक हैं, परिवार और कर्मचारियों से बात कर रहे हैं। इरविन मेडिकल सेंटर के डॉक्टरों ने कहा, 'दो दिनों के इलाज के बाद एंटीबायोटिक दवाओं का अच्छा असर हो रहा है। कैलिफोर्निया की मेडिकल टीम राष्ट्रपति की न्यूयॉर्क स्थित मेडिकल टीम के साथ लगातार संपर्क में है।

हमें उम्मीद है कि वह जल्द ही घर लौट जाएंगे' डॉक्टरों ने कहा कि इस उम्र के लोगों में मूत्र संबंधी संक्रमण होना आम बात हैं और उनका आसानी से इलाज है। डॉक्टरों ने कहा कि उनकी सभी जांच सामान्य है। दो तीन दिनों के भीतर उन्हें छुट्टी दे दी जाएगी।

अमेरिका के 42 वें राष्ट्रपति के रूप में 1993 से 2001 तक किया कार्यक्लिंटन अमेरिका के 42 वें राष्ट्रपति के रूप में 1993 से 2001 तक कार्य किया।

इसके बाद पूर्व राष्ट्रपति को स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। लंबे समय तक सीने में दर्द और सांस लेने में तकलीफ के बाद 2004 में उनकी बाईपास सर्जरी हुई। फिर साल 2010 में उनकी कोरोनरी आर्टरी में स्टेंट की एक जोड़ी लगाई गई और एक बार फिर 2021 में वह मूत्र संक्रमण संबंधी समस्या से जूझ रहे हैं।

विद्युत की फिल्म में चंदन की खुशबू, ठीक से नहीं हुई हॉलीवुड फिल्म की कॉपी

साल 2002 में एक अंग्रेजी फिल्म रिलीज हुई, 'जॉन क्यू'। इस सुपरहिट फिल्म का डीएनए है अंग प्रत्यारोपण के लिए भटकने वाले वे मरीज जिनके पास न अस्पतालों के महंगे खर्च के लिए रकम है और न ही अपने अजीजों के लिए अंगदान की व्यवस्था करने का कोई जुगाड़। ऐसे हालात में एक फैक्ट्री वर्कर अपने बेटे के हृदय प्रत्यारोपण के लिए अस्पताल में कोहराम मचा देता है। उसके आत्मसमर्पण की बातचीत शुरू होती है। जिनको उसने बंधक बना रखा है वे सब इस वर्कर से हमदर्दी जताने लगते हैं। पुलिस बीच में खेल करती है। मीडिया इस खेल को बेनकाब कर देती है। अपने बेटे की जान बचाने के लिए ये फैक्ट्री कर्मचारी अपनी खुद की जान लेना चाहता है लेकिन अंत भला तो सब भला की तर्ज पर फिल्म अंग प्रत्यारोपण को लेकर एक बहस शुरू करके खत्म हो जाती है। डैंजेल वाशिंगटन के करियर की बेहतरीन फिल्म मानी गई फिल्म 'जॉन क्यू' को अगर निर्माता विपुल शाह हू ब हू कॉपी करके भी हिंदी में बना देते तो फिल्म 'सनक' एक बेहतर फिल्म होती। लेकिन, निर्माता के हस्तक्षेप, लेखक के आत्मसमर्पण और निर्देशक की कहानी की संवेदनाओं को समझने में विफलता फिल्म 'सनक' के नतीजों पर भारी पड़ती दिख रही है। फिल्म 'सनक' की कहानी यूं है कि हृदय की आनुवंशिक बीमारी से जूझती अपनी पत्नी के इलाज के लिए मिक्स मार्शल आर्ट्स का एक ट्रेनर हर संभव कोशिश कर रहा है। इस बीच जिस अस्पताल में उसकी पत्नी का इलाज चल रहा है वहां 'आतंकी' हमला होता है। इन हमलावरों में अलग अलग देशों के भाड़े के लोग शामिल हैं। लीडर इनका अपने अलग स्वैग में है। अपनी बीवी को बचाने के लिए विवान नाम का एमएमए ट्रेनर अस्पताल में दाखिल होता है। कुछ बेमेल दोस्त बनाता है। अपनी उस्तादी के एक्शन दिखाता है और मामला संभालने की कोशिश करता है। इतना सब हो रहा है तो पुलिस भी है। पुलिस में महिलाओं की स्थिति पर वैसे तो राष्ट्रीय पुलिस अकादमी को अलग से शोध करना चाहिए और बरसों से लंबित पड़े पुलिस सुधारों को लागू भी करना चाहिए। लेकिन पुलिस चूंकि फिल्मी है तो कहानी का विलेन भी जानता है कि देर से ही पहुंचेगी। किसी हिंदी फिल्म में हिंदी सिनेमा की ही खिल्ली उड़ाने का फिल्म 'रश्मि रॉकेट' के बाद ये लगातार दूसरा मामला है। विद्युत जामवाल के करियर की 'यारा', 'खुदा हाफिज' और 'द पॉवर' के बाद 'सनक' चौथी फिल्म है जो सीधे ओटीटी पर रिलीज हुई है। साल 2011 में विपुल अमृतलाल शाह उन्हें फिल्म 'फोर्स' से हिंदी सिनेमा में लेकर आए थे। विद्युत की यूएसपी उनका एक्शन है। वह चाहते तो अच्छी, भावुक और दर्शकों से संवाद कर सकने वाली कहानियां चुनकर देसी ब्रूस ली या जैकी चैन बन सकते हैं लेकिन उनकी कहानियों और कथ्य की समझ अब तक भारतीय दर्शकों से न जुड़ पाने का ही नतीजा है कि उनकी फिल्म बड़े परदे पर रिलीज करने की हिम्मत बदले माहौल में विपुल शाह जैसे निर्माता भी नहीं कर पाए। विद्युत की फुर्ती में एक करंट है। उनके अभिनय में उमंग है और तरंग उनके एक्शन की ऐसी है कि उसमें अब नवीनता ला पाना बहुत मुश्किल काम है।

मनी लॉन्ड्रिंग-ईडी के सामने पेश नहीं हुईं जैकलिन फर्नांडीस, 200 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में होनी थी पूछताछ

सुकेश चंद्रशेखर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय तेजी से अपनी कार्रवाई कर रहा है। इस मामले में ईडी की तरफ से उन सभी लोगों पर पैनी नजर है, जो 200 करोड़ की ठगी में किसी भी तरह से जुड़े हुए हैं। ईडी ने इस मामले में पूछताछ के लिए अभिनेत्री नोरा फतेही और जैकलिन फर्नांडीस को समन भेजा था, ताकि वह 200 करोड़ की ठगी के मामले में पूछताछ कर सके। इस मामले में नोरा गुरुवार को ईडी के सामने पेश हुईं और आज यानी 15 अक्तूबर को जैकलिन को ईडी के सामने पेश होना था।

लेकिन जैकलिन ने अपना कुछ जरूरी काम बताते हुए ईडी के सामने आज पेश होने के लिए मना कर दिया है। दरअसल, ईडी ने जैकलिन फर्नांडीज को पेश होने के लिए 15 अक्तूबर का समय दिया था। लेकिन जैकलिन आखिरी समय पर अपने कुछ जरूरी काम बताते हुए ईडी ऑफिस नहीं पहुंचीं। जैकलिन ने ईडी अधिकारियों से कहा कि वह कुछ व्यक्तिगत परिस्थितियों के कारण आज पेश नहीं हो पाएंगी। बताया जा रहा है कि, सुकेश द्वारा जैकलिन को फंसाने की कोशिश हुई थी। इसी वजह से ईडी के अधिकारी जैकलिन से पूछताछ में ये पता लगाना चाहते हैं कि, उनका और सुकेश का किसी भी तरह का कोई लेन-देन हुआ है या नहीं। हालांकि, इससे पहले भी ईडी ने जैकलिन से पूछताछ की थी। उनका बयान प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के प्रावधानों के तहत दर्ज किया गया था। जैकलिन ने कहा था कि वो सुकेश के जाल में फंस गई थीं। खबर यह सामने आई थी कि सुकेश द्वारा अपनी पहचान बदलकर जैकलिन को फोन मिलाया जाता था।नोरा से 8 घंटे तक चली थी पूछताछगुरुवार को नोरा फतेही ईडी के ऑफिस पहुंची थीं। इस दौरान ईडी अधिकारियों ने नोरा फतेही से 200 करोड़ की ठगी मामले में लगभग आठ घंटे तक पूछताछ की थी। नोरा फतेही सुबह 11.30 बजे ईडी के दिल्ली कार्यालय के सामने पेश हुईं और उनसे रात 8.30 बजे तक पूछताछ की गई।

जानें क्या है पूरा मामलाये मामला 200 करोड़ की रंगदारी का है, जिसका मुख्य आरोपी सुकेश चंद्रशेखर है। सुकेश चंद्रशेखर ने एक बिजनेसमैन की पत्नी से इतनी बड़ी रकम वसूली थी। जिस वजह से वह जेल में बंद है। जानकारी सामने आई है कि, इस केस में सुकेश की पत्नी लीना पॉल भी मिली हुई है। इसी वजह से लीना पॉल से भी घंटों तक पूछताछ हुई थी।

पुलिस की तरफ से बताया गया था कि पॉल ने कथित तौर पर फोर्टिस हेल्थकेयर के पूर्व प्रवर्तक शिविंदर मोहन सिह की पत्नी अदिति के साथ धोखाधड़ी करने में सुकेश की मदद की थी। इस मामले में अब तक सुकेश और उनकी पत्नी के अलावा चार लोग गिरफ्तार हो चुके हैं।

बद्दुआ का जवाब

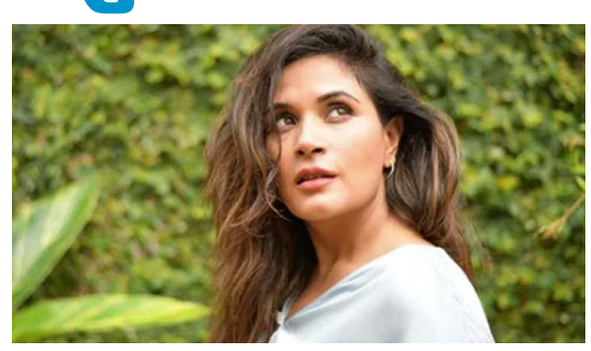

मुंबई, अपनी बेबाकी के लिए मशहूर अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने हाल ही में एक ट्रोलर की जमकर क्लास लगाई। असल में एक ट्विटर यूजर ने बॉयफ्रेंड अली फजल के साथ की उनकी तस्वीर पर बड़ी ही आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। उसने कहा था कि 'आमिर खान की तरह तुम्हारी शादी भी ज्यादा दिन नहीं टिकनेवाली है।' बद्दुआ के अंदाज में किए गए उक्त कमेंट पर ऋचा ने सख्त प्रतिक्रिया दी है। ऋचा ने लिखा है, 'तुझ भिखारी से किसी ने स्वेच्छा से शादी नहीं की तो बौरा रहा है?... तेरे मामले में दहेज तो लड़की ने मांगा होगा?'

ऐसा प्यार पसंद नहीं

मुंबई, आजकल बॉलीवुड में एक्ट्रेसेस का टॉपलेस होना आम हो गया है। हाल ही में एक्ट्रेस ईशा गुप्ता ने अपनी टॉपलेस पिक्चर शेयर करके सोशल मीडिया का पारा बढ़ा दिया है। उन्होंने बालकनी में खड़े होकर टॉपलेस फोटोशूट करवाया है और अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। वैâप्शन दिया है आज को प्यार करो और कल को प्यार करो। हालांकि लोगों को उनका अंदाज बिल्कुल भी पसंद नहीं आया। उन्हें जमकर ट्रोल कर रहे हैं।

अफवाहों से दूर

मुंबई, दक्षिण भारतीय फिल्मों की लोकप्रिय अभिनेत्री पूजा हेगडे अब ३१ वर्ष की हो गई हैं। १३ अक्टूबर, १९९० को मुंबई में जन्मीं पूजा साउथ सिनेमा में धमाल मचाने के बाद अब बॉलीबुड में भी अपनी खूबसूरती और बेहतरीन अदाकारी का जलवा बिखेर रही हैं। तमिल फिल्म 'मुगामुडी' से अपने करियर की शुरुआत करनेवाली पूजा ने तेलुगू फिल्मों में सुपरस्टार नागा चैतन्य की फिल्म 'ओका लैला कोसम' से अपने करियर की शुरुआत की। १० साल के फिल्मी करियर में कई हिट फिल्में दे चुकीं पूजा लाखों पैâस के दिलों में अपनी जगह बना चुकी हैं। सोशल मीडिया पर उनकी अच्छी-खासी पैâन फॉलोइंग है। लेकिन पूजा अभी तक सिंगल हैं। मगर ऐसा नहीं की पूजा का कभी किसी के साथ नाम नहीं जुड़ा हो। तारा सुतारिया के एक्स बॉयफ्रेंड और विनोद मेहरा के बेटे रोहन मेहरा संग उनके रोमांस की खबरों ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। लेकिन बाद में पूजा ने उन सभी खबरों को अफवाह बताया था और कहा था कि वो और रोहन सिर्फ अच्छे दोस्त हैं। वर्क प्रâंट की बात करें तो बॉलीवुड की फिल्म 'सर्कस' में वो रणवीर सिंह के साथ नजर आएंगी तो वहीं दूसरी फिल्म में वो प्रभास के साथ नजर आएंगी।

'अंग्रेजी' का दर्द

मुंबई, भोजपुरी फिल्मों की लोकप्रिय अभिनेत्री एवं बिग बॉस कंटेस्टेंट मोनालिसा अब हिंदी टीवी शोज में अपनी अलग पहचान बना चुकीं हैं। अपने बेबाक अंदाज की वजह से चर्चाओं में रहनेवाली मोनालिसा ने छोटे पर्दे पर शो 'नजर' में डायन का निगेटिव रोल निभाकर दर्शकों को खूब इंप्रेस किया है। हालांकि उन्होंने अपने करियर में कई उतार-चढ़ाव का सामना किया है और इस दौरान प्रोफेशनल से लेकर पर्सनल लाइफ तक उन्हें कई बार जबरदस्त ट्रोलिंग का सामना भी करना पड़ा है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में मोनालिसा ने ऐसे ही एक वाकये के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने अपना दर्द बयां करते हुए बताया कि वह अब तक बॉडी से लेकर ड्रेसिंग सेंस तक के लिए ट्रोल्स का सामना कर चुकी हैं। लेकिन उन्हें सबसे ज्यादा टेंशन अंग्रेजी के कारण होती थी। इंग्लिश ठीक से नहीं बोल पाने के कारण अक्सर उनका मजाक उड़ाया गया है। इससे निपटने के लिए उन्होंने बाद में ट्रोल्स को इग्नोर करना शुरू कर दिया।

सपना चौधरी का गाना 'चटक-मटक' ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, 650 मिलियन से ज्यादा व्यूज, आपने देखा क्या?

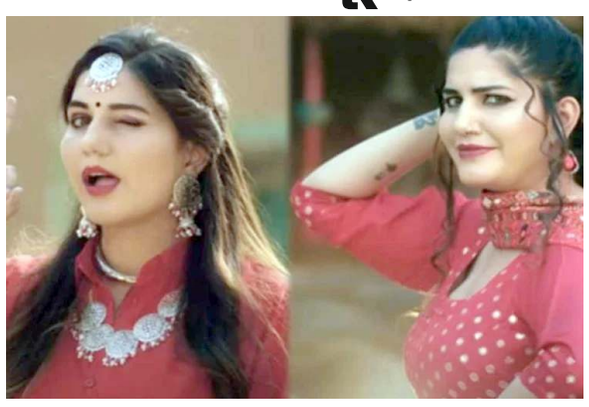

हरियाणा की फेमस डांसर सपना चौधरी अपने डांस से सिर्फ हरियाण- पंजाब के लोगों के दिलों पर राज नहीं करती बल्कि देश दुनिया में भी वह अपनी पहचान बना चुकी हैं। 'हरियाणवी डांस क्वीन' की एक एक अदा पर लोग मर मिटने को तैयार हैं। कहा जाता है कि जिस गाने में सपना डांस करती दिख जाएं वह पहले से ही हिट माना जाता है। उनके हर गाने पर रिलीज के साथ ही करोड़ों के व्यूज मिल रहे हैं। हाल में ही सपना का गाना 'चटक-मटक'ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यूट्यूब पर इस गाने को 650 मिलियन बार देखा जा चुका है।सपना चौधरी के फैंस उनके गाने 'चटक-मटक' को करोड़ों बार देख चुके हैं। इस गाने पर सपना चौधरी ने परफॉर्म किया है और जानी मानी सिंगर रेणुका पंवार ने इस गाने को गाया है। इससे पहले रेणुका का '52 गज का दामन' खूब लोकप्रिय हुआ था।बॉलीवुड में भी नजर आ चुकी हैं सपना सपना चौधरी सिर्फ हरियाणवी गानों में ही नहीं बल्कि बॉलीवुड में भी डेब्यू कर चुकी हैं। सपना ने बॉलीवुड की कई म्यूजिक वीडियो में काम किया है। सपना चौधरी ने बतौर हरियाणा की ऑर्केस्ट्रा पार्टी के साथ करियर की शुरुआत की थी। बाद में वो हरियाणा और आस-पास के राज्यों में रागिनी के कार्यक्रमों हिस्सा लेने लगीं और उनकी लोकप्रियता बढती चली गई। उन्हें देशभर में बिग बॉस से पहचान मिली थी।

जेल में कैसे कट रही आर्यन की रात, खाना पसंद नहीं तो शाहरुख खान ने मनी ऑर्डर से भेजे इतने रुपये

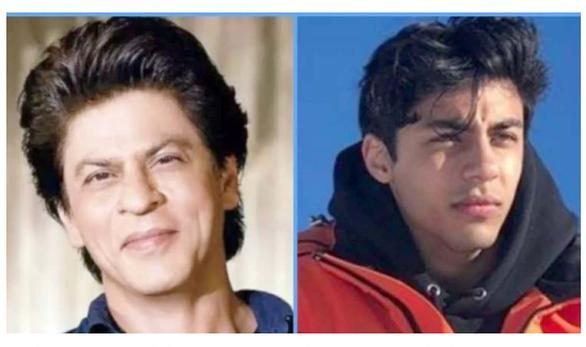

मुंबई क्रूज ड्रग्स मामले में शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को कोर्ट से गुरुवार को भी जमानत नहीं मिली। आर्यन को अब अगले 5 दिनों तक जेल में ही रहना होगा। दरअसल 15 अक्टूबर से लेकर 19 तारीख तक मुंबई सेशंस कोर्ट की छुट्टी रहेगी। आर्यन इस वक्त आर्थर रोड जेल में है। उसे वहां नाम से नहीं बुलाया जाता बल्कि जेल में आर्यन को कैदी नंबर N956 कहा जाता है। जेल में रहने के दौरान उसे अन्य आरोपियों की तरह ही व्यवहार किया जाएगा। कानून के मुताबिक जेल में बंद आर्यन को जेल का खाना खाना होगा, जो बाकी कैदियों को मिलता है। इतना ही नहीं उसके साथ बाकी कैदियों की तरह ही जेल प्रसाशन व्यवहार करेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक आर्यन जेल का खाना नहीं खा पा रहे हैं। आर्यन खाना खा सकें, इसलिए अपने लाड़ले के लिए शाहरुख खान ने मनी ऑर्डर भेजा है। चलिए जानते हैं जेल में रहने के दौरान आर्यन खान का पूरा रूटीन कैसा रहेगा। नहीं मिल रहा स्पेशल ट्रीटमेंटआर्यन खान को जेल में किसी तरह की स्पेशल ट्रीटमेंट नहीं दी जा रही है। कोर्ट के सख्त निर्देशों के बाद कैदी को किसी तरह से बाहर का खाना नहीं दिया जाएगा। जो जेल में मिल रहा है वही खाना आर्यन को खाना पड़ेगा या फिर वह पिता द्वारा भेजे गए पैसों से जेल में बनी कैंटीन से खाना खरीद सकते हैं। सुबह 6 बजे उठ रहा आर्यनआर्यन को सुबह 6 बजे उठना पड़ रहा है। 7 बजे उसे नाश्ता मिलता है, जिसमें शीरा और पोहा ही दिया जाता है। दोपहर और रात को खाने में रोटी, सब्जी और दाल-चावल मिलता है। शाहरुख ने भेजा मनी ऑर्डरआर्यन खान को जेल का खाना पसंद नहीं आ रहा।

शाहरुख ने 11 अक्टूबर को 4500 रुपये का मनी ऑर्डर आर्यन के लिए भेजा है। आर्यन खान को जेल का बना खाना नहीं खाना तो वह कैंटीन से खाना ले रहा है। जेल के नियमों के मुताबिक एक शख्स को एक महीने में सिर्फ 4500 रुपये का ही मनी ऑर्डर दिया जा सकता है। शाम को 6 बजे मिलेगा खानारात का खाना शाम को 6 बजे ही परोस दिया जाता है

लेकिन अगर आरोपी चाहे तो रात के आठ बजे तक खाने की प्लेट अपने पास रख सकता है। ऐसे में आर्यन भी रात के आठ बजे तक चाहे तो डिनर कर सकता है। घर के कपड़ों में रहता है आर्यनआर्यन को अब तक जेल की यूनिफॉर्म नहीं दी गई है। वह अभी घर के कपड़ों में ही रहता है। अभी तक अपनी जिंदगी ऐश-ओ-आराम के साथ बिताने वाला आर्यन आज जेल में आम कैदी की तरह अपनी जिंदगी बिता रहा है

बॉलीवुड-हेमा मालिनी से दीया मिर्जा तक, इन अभिनेत्रियों को मिला सौतेली मां का टैग

बॉलीवुड इंडस्ट्री से जुड़े सेलिब्रिटीज अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ की वजह से चर्चाओं में रहते हैं। सेलेब्स की डेटिंग लाइफ पर फैंस की खास नजर होती है और इसी वजह से ये कहना गलत नहीं होगा कि, इस इंडस्ट्री में सेलेब्स का एक से ज्यादा बार प्यार में पड़ना या फिर किसी तलाकशुदा व्यक्ति से शादी करना आम बात है। बॉलीवुड इंडस्ट्री में कई ऐसी अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने शादीशुदा व्यक्ति को दिल दिया और फिर उन्हीं से शादी भी रचाई। इतना ही नहीं, इन अभिनेत्रियों के इस कदम के बाद उन्हें सौतेली मां का टैग भी मिला। तो आइए इस स्टोरी में हेमा मालिनी से लेकर दीया मिर्जा तक, उन अभिनेत्रियों के बारे में बताते हैं, जिन्होंने शादीशुदा शख्स के साथ सात फेरे लिए। साथ ही इन अभिनेत्रियों ने सौतेली मां बनना मंजूर किया। लेकिन इन अभिनेत्रियों ने सौतेली मां की छवि को बदलकर रख दिया।

हेमा मालिनीबॉलीवुड इंडस्ट्री की ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी ने साल 1980 में धर्मेंद्र से शादी रचाई थी। उस समय धर्मेंद्र पहले से प्रकाश कौर के साथ शादीशुदा जिंदगी बिता रहे थे और वह चार बच्चों के पिता भी थे। लेकिन इसके बावजूद हेमा ने धर्मेंद्र से शादी करके चार बच्चों की सौतेली मां बनना मंजूर किया। हैरानी की बात ये है कि, धर्मेंद्र के बड़े बेटे सनी देओल और हेमा मालिनी के बीच महज 9 साल का अंतर है। हेमा सनी से सिर्फ 9 साल बड़ी हैं। हालांकि, धर्मेंद्र के चारों बच्चों ने हेमा मालिनी को कभी मां का दर्जा नहीं दिया।

करीना कपूरकरीना कपूर ने अपने से 11 साल बड़े अभिनेता सैफ अली खान से साल 2012 में शादी रचाई है। करीना सैफ के दो बच्चे सारा अली खान और इब्राहिम अली खान की सौतेली मां हैं। हालांकि, करीना सारा और इब्राहिम के साथ खूबसूरत रिश्ता साझा करती हैं। करीना सारा से 15 साल बड़ी हैं। इसी वजह से वह सारा के साथ सौतेली मां की तरह नहीं बल्कि दोस्त की तरह रिश्ता साझा करती हैं।

दीया मिर्जादीया मिर्जा ने 15 फरवरी 2021 में बिजनेसमैन वैभव रेखी संग शादी रचाई है, जिसके बाद उनका नाम भी इस लिस्ट में शामिल हो गया है। वैभव और दीया दोनों की ये दूसरी शादी है। शादी के बाद दीया वैभव की बेटी समायरा की सौतेली मां बनीं। हालांकि, दीया और समायरा खूबसूरत बॉन्डिंग शेयर करते हैं। दीया ने वैभव से शादी करने के बाद बेटे को जन्म दिया। समायरा अपने सौतेले भाई से भी बेहद प्यार करती हैं। श्रीदेवीबॉलीवुड की पहली सुपरस्टार अभिनेत्री श्रीदेवी ने दो बच्चों के पिता बोनी कपूर से शादी रचाई थी। जब श्रीदेवी ने बोनी कपूर का हाथ थामा था, तब उन्हें 'होम ब्रेकर' और 'स्टेप मॉम' जैसे टैग दिए गए थे। क्योंकि बोनी ने अपनी पहली पत्नी मोना कपूर को तलाक देकर श्रीदेवी संग सात फेरे लिए थे। हालांकि, बोनी कपूर के बच्चों अर्जुन कपूर और अंशुला कपूर ने कभी भी श्रीदेवी को अपनी दूसरी मां के रूप में नहीं अपनाया था। लेकिन श्रीदेवी के निधन के बाद अर्जुन अपनी दोनों छोटी बहनों जाह्नवी और खुशी को संभाल कर रहे हैं।

स्मार्ट डिजी हाइब्रिड क्लासरूम

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

स्मार्ट डिजी हाइब्रिड क्लासरूम की जबरदस्त परिवर्तनकारी शक्ति छात्रों के भीतर अंतहीन पाठ्यक्रम लाने की क्षमता है। देश के आंतरिक क्षेत्रों में रहने वाला एक छात्र, भारी शुल्क का भुगतान किए बिना, कृत्रिम बुद्धिमत्ता या बड़े डेटा पाठ्यक्रम में महारत हासिल कर सकता है। अगले कुछ वर्षों में ऑनलाइन शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या में वृद्धि होगी।

शिक्षा में प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग ने शिक्षा से शिक्षक-केंद्रित होने से छात्र-केंद्रित बनने में एक अभूतपूर्व परिवर्तन किया है। वर्चुअल क्लासरूम और विभिन्न ऑनलाइन टूल शिक्षक-छात्र जुड़ाव को जारी रखने और इसे कक्षा के अनुभव के जितना संभव हो उतना करीब बनाने में मदद कर रहे हैं। आगे बढ़ते हुए, स्मार्ट क्लासरूम, माता-पिता-शिक्षक बैठकों से लेकर कर्मचारियों और प्रशासन की बैठकों तक, आवश्यक प्रयास करेंगे। प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षा, शिक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनाती है। डिजिटल शिक्षा को पाठ्यक्रम सामग्री निर्माताओं, संकाय, और प्रौद्योगिकी प्रदाताओं और पाठ्यक्रम प्रतिभागियों के बीच सहज

समन्वय की आवश्यकता है। इसे केवल बुनियादी सेवाओं जैसे कि इंटरनेट कनेक्टिविटी, पर्याप्त सॉफ्टवेयर सिस्टम और पर्सनल कंप्यूटर,

लैपटॉप आदि जैसे हार्डवेयर की उपलब्धता के साथ ही सफलतापूर्वक लागू किया जा सकता है। हम इस तथ्य से इनकार नहीं कर सकते हैं कि ऐसी चरम स्थितियों में, COVID -19 एक उत्प्रेरक के रूप में साबित हुआ है। ऑनलाइन सीखने और आकलन के माध्यम से शिक्षा को अधिक सक्षम और उत्पादक बनाने के लिए स्मार्ट हाइब्रिड तकनीक और इसकी नवीनतम पेशकशों का लाभ उठाने का यह एक उपयुक्त समय है।

COVID -19 का प्रभाव यह है कि स्मार्ट टेक्नो हाइब्रिड क्लासरूम मॉडल और इनोवेटिव एप्लिकेशन के विभिन्न अन्य तरीकों की मदद से कई और छात्र, दोनों स्कूलों और कॉलेजों में, घर से कक्षाओं में भाग लेने में सक्षम हैं।

कई शिक्षण संस्थान इसे शिक्षा के वितरण को संभव और सार्थक बनाने के लिए नई तकनीकों के प्रयोग और कार्यान्वयन के लिए एक आदर्श समय के रूप में देखते हैं। अधिक जानकारी वेबसाइट tsapmumbai.in पर जाकर प्राप्त की जा सकती है।

विश्वकल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा सूरत मे 11,111 कुंडी महायज्ञ का आयोजन

विश्वकल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा सूरत में सबसे बड़ा 11,111 कुंडी विश्वशांति महायज्ञ और भव्य संत सम्मेलन धर्मसभा का आयोजन होने जा रहा है जिसका उद्देश् विश्व का कल्याण और राष्ट्र की रक्षा और गौ माता की रक्षा करना हे यह होने से भारत फिर से विश्व गुरु बने ऐसे संकल्प के साथ आदरणीय पदम श्री अवार्ड विनर डॉक्टर कनुभाई टेलर संत श्री 1008 बटुक महाराज जी और ज्योतिषाचार्य आदरणीय डॉ हेमंत जी रावल आदरणीय डॉ राजेंद्र शास्त्री के नेतृत्व में यज्ञ और धर्मा सभा का आयोजन हो रहा है यह यज्ञ में पूरे भारत में से धर्मगुरु और साधु संतों की उपस्थिति होगी यह यज्ञ का आयोजन दिनांक 09और 10 जनवरी 2022 को सूर्यपुत्री तापी नदी के किनारे अटल आश्रम श्री परदेश्वर महादेव मंदिर आरटीओ पाल रोड सूरत में होने जा रहा है इसमें सूरत के सभी धर्म प्रेमी भाई और बहन को इस हवन का लाभ लेने का निमंत्रण दिया जा रहा है

-हरीश राजपूत

कोरोना के बुरे दौर में विधायकों की लॉटरी, विकास निधि में एक करोड़ रुपये की बढ़ोतरी

मुंबई, दशहरे की पूर्व संध्या पर महाराष्ट्र के विधायकों को दिवाली का गिफ्ट मिला है। वित्तमंत्री अजित पवार ने विधायक विकास निधि की रकम तीन करोड़ रुपये से बढ़ाकर चार करोड़ किया है। राज्य के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है कि विधायकों की स्थानीय विकास निधि में सीधे एक करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की गई है। वित्त मंत्री की इस घोषणा से सत्ता और विपक्ष के विधायकों में खुशी व्याप्त है और विधायकों ने इस फैसले का स्वागत किया है। उपमुख्यमंत्री पवार ने विधायकों को कोरोना रोकथाम के उपायों के लिए विधायकों के स्थानीय विकास निधि से एक-एक करोड़ रुपये खर्च करने की अनुमति भी दी थी। महाराष्ट्र के विधानसभा में 288 विधायक और विधान परिषद में 62 सदस्य है। कुल मिलाकर कुल 350 विधायकों को 350 करोड़ रुपये की अतिरिक्त निधि उपलब्ध होगी। इस तरह राज्य के सभी विधायकों को मिलाकर अब हर साल कुल 1400 करोड़ रुपये की रकम स्थानीय विकास के लिए मिलेगी। दादा ने दिया था पहले ही संकेत राज्य के वित्त मंत्री अजित पवार ने स्थानीय विकास निधि को दो करोड़ रुपये से बढ़ाकर तीन करोड़ रुपये करते वक्त विधायकों को आश्वासन दिया था कि भविष्य में इसे और बढ़ाया जाएगा। पवार ने अपना आश्वासन पूरा किया है। अब विधायकों को अपने निर्वाचन क्षेत्र में विकास कार्य के लिए अब चार करोड़ रुपये की निधि मिलेगी। पवार के इस निर्णय से सत्ता पक्ष और विपक्षी विधायकों में आनंद का वातावरण है और उन्हें दशहरे की पूर्व संध्या पर बड़ा तोहफा मिला है। विधायकों का कहना है कि इससे वे अपने क्षेत्र में और ज्यादा विकास कार्य कर सकते हैं। कोरोना के बुरे दौर कोरोना के इस बुरे दौर में राज्य आर्थिक संकट से जूझ रहा है। कोरोना संकट के समय केंद्र सरकार ने सांसदों की विकास निधि को फ्रीज कर दिया है। ऐसे में, स्थानीय विकास के कार्यों के लिए सांसदों को कोई निधि उपलब्ध नहीं है, लेकिन विधायक फंड जारी रखा गया। सरकार ने विधायकों को विधायक फंड में से 50 लाख रुपये कोविड पर खर्च करने की अनुमति दी।

आत्मनिर्भरता के साथ भारत को बनाना है सबसे बड़ी मिलिट्री पावर, 7 डिफेंस कंपनियों की लॉन्चिंग पर बोले PM मोदी

दशहरे के दिन भारत में शस्त्र पूजन की परंपरा रही है और इस मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी ने देश को 7 डिफेंस कंपनियां समर्पित की हैं। रक्षा उपकरणों, हथियारों और वाहनों के निर्माण के लिए बनीं 7 नई कंपनियों की लॉन्चिंग के मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमें देश को हथियारों एवं रक्षा उपकरणों के मामले में आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत देश को सबसे बड़ी मिलिट्री पावर बनाने का लक्ष्य तय किया है। इन कंपनियों के जरिए देश को हथियार, सैन्य वाहन, उपकरण एवं उन्नत तकनीक हासिल हो सकेगी। उन्होंने कहा कि हमने आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत इन कंपनियों को मजबूती प्रदान करने के लिए पहले ही 65,000 करोड़ रुपये के ऑर्डर दिए हैं। उन्होंने कहा कि उत्पादों की बेहतर कीमत हमारी ताकत और क्वालिटी हमारी छवि को मजबूत करेगी। इसके साथ ही उन्होंने रक्षा क्षेत्र में अनुसंधान का महत्व बताया। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, 'रिसर्च और इनोवेशन से देश की परिभाषा तय होती है। यह भारत की ग्रोथ का सबसे अहम उदाहरण है। उन्होंने कहा कि हमें इनोवेटर्स को पूरी आजादी देनी होगी ताकि वे देश के लिए नए-नए आविष्कार कर सकें।' पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारा लक्ष्य दूसरे देशों के मुकाबले बराबरी पर आने का नहीं है बल्कि दुनिया में नेतृत्व करने का है। उन्होंने अपनी सरकार के दौर में हथियारों के आयात में कमी और एक्सपोर्ट बढ़ने का भी जिक्र किया।

पीएम मोदी ने कहा कि बीते 5 सालों में भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट 315 फीसदी की गति से आगे बढ़ा है। नरेंद्र मोदी ने कहा, 'मैं इन सभी 7 कंपनियों से अपील करता हूं कि वे रिसर्च और इनोवेशन को अपने वर्क कल्चर में बढ़ावा दें। आपको फ्यूचर टेक्नोलॉजी में लीड करना होगा और रिसर्चर्स को मौके देने होंगे। मैं देश के स्टार्टअप्स से भी अपील करूंगा कि वे इन सातों कंपनियों के साथ मिलकर काम करें।

केंद्र हमारे नेताओं के संबंधियों को बना रहा है निशाना-शरद पवार

मुंबई, राज्य ब्यूरो। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार ने कहा है कि केंद्र सरकार महाविकास अघाड़ी के नेताओं के संबंधियों को निशाना बनाकर हमें तोड़ना चाहती है, लेकिन हम दृढ़ हैं। इन बातों पर हम पर कोई असर नहीं होगा। शरद पवार बुधवार को मुंबई में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पिछले दो साल से राज्य की महाविकास अघाड़ी सरकार को अस्थिर करना चाह रही है। इसमें असफल होने के बाद अब वह महाविकास अघाड़ी के नेताओं के संबंधियों व उनसे जुड़े लोगों को निशाना बना रही है। प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआइ, आयकर विभाग व एनआइए जैसी केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। कुछ ही दिन पहले आयकर विभाग ने राज्य के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की तीन बहनों के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर छापा मारा था। शरद पवार ने इसलिए की टिप्पणी माना जा रहा है कि शरद पवार की टिप्पणी उन छापों को लेकर ही सामने आई है। पवार ने विशेषकर एनसीबी को पर साधते हुए कहा कि मुंबई में मादक पदार्थों की धरपकड़ के लिए दो एजेंसियां काम करती हैं। एक मुंबई पुलिस का एंटी नार्कोटिक्स सेल व दूसरा एनसीबी। इन दोनों में एंटी नार्कोटिक्स सेल का प्रदर्शन हमेशा एनसीबी से बेहतर रहा है। समझा जाता है कि एनसीबी पर पवार की यह टिप्पणी हाल ही में एनसीबी द्वारा की गई कार्रवाइयों के कारण की गई है, जिसमें अभिनेता शाहरुख खान के पुत्र आर्यन खान भी गिरफ्तार हैं। पवार की ही पार्टी के प्रवक्ता नवाब मलिक एनसीबी की कार्रवाई पर पहले ही कई तरह के सवाल उठा चुके हैं। शरद पवार के वार पर देवेंद्र फड़णवीस का पलटवार शरद पवार ने एक दिन पहले की गई पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की भी एक टिप्पणी की खिल्ली उड़ाई। फडणवीस ने कहा था कि उन्हें राज्य के लोगों से जिस तरह का प्यार मिलता है, उससे उन्हें लगता है कि वह आज भी महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ही हैं। शरद पवार ने फडणवीस की इस बात का मजाक उड़ाते हुए कहा कि सिर्फ एक बार मुख्यमंत्री रहने के बाद भी यदि फडणवीस को ऐसा लगता है, तो मैं उन्हें बधाई देता हूं। मैं तो चार बार इस राज्य का मुख्यमंत्री रहा हूं। इसके बावजूद मुझे तो याद भी नहीं है कि मैं चार बार मुख्यमंत्री रहा हूं। पवार की इस टिप्पणी के कुछ ही देर बाद इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि 40 वर्ष में मैं पहला व्यक्ति हूं, जिसने मुख्यमंत्री के रूप में अपना कार्यकाल पूरा किया है। शरद पवार वरिष्ठ नेता हैं। उन्होंने राज्य के लिए बहुत कुछ किया है, लेकिन चार बार मुख्यमंत्री रहने के बावजूद वह कभी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाए। कश्मीर में भी बढ़ा चीन का दखल बढ़ा भारतीय सीमा में चीन के बढ़ते दखल पर बोलते हुए शरद पवार ने कहा कि नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और श्रीलंका सहित कश्मीर में भी चीन का दखल बढ़ रहा है। ऐसा लग रहा है कि हम चारों ओर से चीन से घिरते जा रहे हैं। लखीमपुर खीरी की घटना पर योगी पर साधा निशाना शरद पवार ने फिर लखीमपुर खीरी की घटना पर केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार को घेरते हुए कहा कि लखीमपुर खीरी जैसी घटना पहले कभी नहीं हुई। प्रदर्शनकारी किसानों का कहना है कि वहां केंद्रीय मंत्री का बेटा भी मौजूद था। सर्वोच्च न्यायालय के दखल पर ही मंत्री के बेटे आशीष मिश्र की गिरफ्तारी हो सकी है। पवार ने इस घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी घेरते हुए कहा कि वह अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हट सकते। उन्हें तत्काल इस्तीफा देना चाहिए।

कुंडली बॉर्डर पर हत्या-भाजपा ने राकेश टिकैत को घेरा, कहा-लखीमपुर में 'मॉब लिंचिंग' को सही न ठहराते तो...

भाजपा के आइटी सेल के प्रभारी अमित मालवीय ने कुंडली बॉर्डर पर हुई युवक की हत्या के बाद किसान नेता राकेश टिकैत पर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा है कि अगर योगेंद्र यादव के बगल में बैठकर राकेश टिकैत लखीमपुर में हुई मॉब लिंचिंग को सही न ठहराते तो आज सिंघु बार्डर पर युवक की इस तरह से हत्या न होती। उन्होंने कहा कि किसानों के नाम पर इन विरोध प्रदर्शनों के पीछे फैलाई जा रही अराजकता को बेनकाब करने की जरूरत है। लखीमपुर हिंसा पर बोले थे- 'क्रिया की प्रतिक्रिया'लखीमपुर में किसानों पर गाड़ी चढ़ाने के बाद आक्रोशित भीड़ ने भाजपा कार्यकर्ताओं को पीट-पीट कर मार डाला था। इसके बाद भाजपा कार्यकर्ता किसानों का विरोध करने लगे थे। कई जगह यह भी मांग उठने लगी कि लोगों की पहचान कर उनपर भी हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाए। इस पर किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा था कि वह इसे मॉब लिंचिंग नहीं मानते यह सिर्फ क्रिया की प्रतिक्रिया है।लटका मिला था युवक का शव हरियाणा के सोनीपत में कुंडली बॉर्डर पर युवक की बर्बर तरीके से हत्या कर दी गई। तीन कृषि कानूनों को रद्द कराने की मांग को लेकर चल रहे धरना स्थल की मुख्य स्टेज के पीछे बैरिकेड पर एक व्यक्ति का शव बंधा मिला है। उसकी नृशंस तरीके से पिटाई करने के साथ ही दाहिना हाथ काटकर मारा गया है। उसे घसीटा भी गया है। मृतक की पहचान पंजाब के तरनतारन जिले के गांव चीमा खुर्द निवासी 35 वर्षीय लखबीर सिंह पुत्र हरनाम सिंह के तौर पर हुई है। वह तीन बेटियों का पिता था। फिलहाल उसकी पत्नी बेटियों सहित लखबीर से अलग रह रही है। पता लगा है कि लखबीर सिंह जब 6 माह का था तो हरनाम सिंह ने उसे गोद लिया था, जबकि रिश्ते में हरनाम सिंह उसके फूफा हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एनसीबी ने मेरे दामाद को गलत तरीके से फंसाया: नवाब मलिक

मुंबई, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रवक्ता व महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने फिर एनसीबी पर आरोप लगाया है कि उसने उनके दामाद समीर खान को गलत तरीके से फंसाया। उन्होंने कहा कि वह इस प्रकार परेशान किए जाने व अपने दामाद के विरुद्ध चल रहे मामले को खत्म करवाने के लिए अदालत में जाएंगे। शाहरुख खान के पुत्र आर्यन खान की गिरफ्तारी के बाद से ही एनसीबी पर लगातार आरोप लगाते आ रहे नवाब मलिक ने गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एनसीबी को उनके दामाद समीर खान के घर से कुछ नहीं मिला था। फिर भी 200 किलो हर्बल तंबाकू को गांजा बताकर अपने ही कार्यालय से उसकी बरामदगी दिखा दी। मीडिया को भी गांजा बरामद होने की गलत सूचना दी गई। उन्होंने एनसीबी पर मीडिया के चुनिंदा लोगों को खबरें लीक करने का भी आरोप लगाया। नवाब मलिक ने खुद को धमकियां मिलने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब से उन्होंने एनसीबी का पर्दाफाश किया है, तब से उन्हें लगातार धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने अपनी सुरक्षा बढ़ाए जाने की सूचना देते हुए कहा कि वे खुद को मिल रही धमकियों की शिकायत भी पुलिस में दर्ज कराएंगे। कोर्ट ने भी कहा, गलत धाराएं लगाई गईं नवाब मलिक ने कहा कि एनसीबी उनके दामाद की जमानत आठ महीने तक जान-बूझकर लटकाती रही। आठ महीने बाद कुछ दिनों पहले उसे जमानत मिल सकी है। अब दो दिन पहले आए जमानत के विस्तृत आदेश में अदालत ने कहा है कि समीर खान के विरुद्ध मादक द्रव्यों की तस्करी या साजिश का कोई मामला बनता ही नहीं है। कोर्ट के आदेश में साफ कहा गया है कि आरोपित पर गलत धाराएं लगाई गई थीं। कोर्ट ने अपने आदेश में जांच एजेंसी की मंसा पर भी सवाल उठाए हैं। पिछले वर्ष अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद उनकी महिला मित्र रिया चक्रवर्ती की जांच के दौरान ही एनसीबी ने बालीवुड में ड्रग्स के चलन की जांच शुरू की थी। उसी जांच की कड़ी में नवाब मलिक के दामाद को भी गिरफ्तार किया गया था। जिसे पिछले महीने ही जमानत मिल सकी है।

RSS ने एक बार फिर नई जनसंख्या नीति की मांग की, कहा- इसे राजनीतिक और सांप्रदायिक नजरिए से न देखा जाए

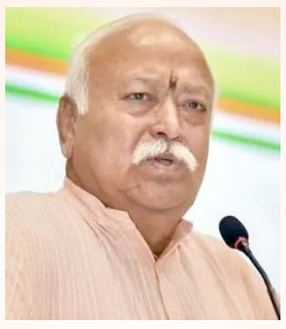

राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने विजयदशमी के अपने संबोधन में भारत की बढ़ती आबादी को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने राष्ट्रीय जनसंख्या नीति की मांग को फिर से दोहराया है। उन्होंने कहा है कि जनसंख्या नीति होनी चाहिए। एक्सपर्ट्स की मानें तो सरकार प्रति परिवार 2.1 बच्चों के फ़ॉर्मूले पर सहमत हुई है लेकिन मुझे लगता है कि इस पर फिर से विचार किए जाने की जरूरत है। देश को एक ऐसी नीति की जरूरत है जो अगले 50 सालों को ध्यान में रखकर बनाई जाए। उन्होंने आगे कहा है कि इस तरह की नीति से अवैध घुसपैठ को रोकने, जबरदस्ती धर्मांतरण और प्राकृतिक संसाधनों पर समान अधिकार सुनिश्चित करने के कई मकसद पूरे होंगे।

राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ ने हिंदुओं, मुसलमानों और ईसाइयों की आबादी में बदलाव के लिए अवैध घुसपैठ और जबरन धर्मांतरण को जिम्मेदार ठहराया है। संघ का कहना है कि 11 राज्यों में ईसाई आबादी की दशकीय बढ़ोतरी दर 30 फीसदी से अधिक है और नौ राज्यों में मुसलमानों की दशकीय बढ़ोतरी दर 30 फीसदी से अधिक रही है।

जनसंख्या नीति पर लगातार अभियान चलाए जाने के बाद से बीजेपी शासित उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और असम जैसे राज्यों ने हाल ही में जनसंख्या नियंत्रण नीति पेश करने की अपनी मंशा की घोषणा की है।

KAANT FOODS®
Every Day... Every Time...
PREMIUM QUALITY
• Cholesterol Free
• 0% Trans Fat
• 100% Roasted
100% WHEAT MADE
KHAKHRA & BHAKHRI
Palak(Spinach), Kothamir(Coriander), Black Til, Moong Masala, Ratlami, Methi, Plain, Masala, Jira(Cumin), Manchuriyan, Phudina Panipuri(Mint), Pav Bhaji, Punjabi, Tomato, Cheese, Garlic, Chinese King, Meggi Masala, Chat Masala.
Manufactured By :
KAANT FOODS®
20, Sarvodaya Society, Nr. Umiya Dham Temple,
Surat - 395006, Gujarat, India. Mo. : +91 98257 70072
Web : www.kaantfoods.com
E-mail : kaantfoods@gmail.com
fssai
Lic No. 20718031001190

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।